शहरी कृषि में उत्पादन एवं रोजगार के योगदान और उभरती चुनौतियों की निगरानी

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान

शहरी कृषि में उत्पादन एवं रोजगार के योगदान और उभरती चुनौतियों की निगरानी

डॉ शशि बाला

वी. वी. गिरि श्रम संस्थान

(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)

सैक्टर - 24, नौएडा

ईमेल आईडी: balashashi.vvgnli@gov.in

© वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नौएडा

प्रतियों की संख्याः 100

प्रकाशन वर्षः 2023

यह प्रकाशन संस्थान की वेबसाइट www.vvgnli.org
से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखक के अपने व्यक्तिगत विचार हैं।
उनसे वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

प्रकाशकः वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, सैक्टर-24, नौएडा-201301, उत्तर प्रदेश

मुद्रण स्थानः चंदू प्रेस, डी-97, शकरपुर, दिल्ली-110092

विषय

प्रस्तावना		vii
आभार		ix
कार्यकारी सारांश		1
अध्याय 1	परिचय	3
अध्याय 2	जिलों और उत्तरदाताओं का परिचय	8
अध्याय 3	रोजगार और कृषि	12
अध्याय 4	बुनियादी ढांचा और कृषि	16
अध्याय 5	कोविड-19 और कृषि	26
अध्याय 6	कालीन हस्त-बुनकर	29
अध्याय 7	कृषि संकट: मामला अध्ययन	31
अध्याय 8	निष्कर्ष और सिफारिशें	33
संदर्भ		34
अनुलग्नक		
अनुलग्नक 1 अध्ययन की झलकियाँ		36
अनुलग्नक 2 नगर प्रश्नावली		38

तालिकाओं की सूची

तालिका संख्या	विवरण	पृष्ठ सं.
1.1	प्रतिदर्श चयन	6
2.1	उत्तरदाताओं का आयुवार वितरण	8
2.2	उत्तरदाताओं का सामाजिक श्रेणीवार वितरण	9
2.3	उत्तरदाताओं की उच्चतम शैक्षिक योग्यता	9
2.4	शैक्षणिक संस्थानों, जहां उत्तरदाताओं ने शिक्षा ग्रहण की, के प्रकार	10
2.5	शैक्षणिक संस्थानों, जहां उत्तरदाताओं ने शिक्षा ग्रहण की, के स्थान	11
3.1	उत्तरदाताओं के रोजगार और कार्यकलाप की स्थिति	12
3.2	उत्तरदाताओं के रोजगार के प्रकार	13
3.3	उत्तरदाताओं के रोजगार की अवधि और मजदूरी की स्थिति	14
3.4	कृषि की संबद्ध गतिविधियों में संलग्नता	14
3.5	रोजगार का स्थान और कृषि में प्रशिक्षण का स्रोत	15
4.1	सरकारी नीतियां और उनका लाभ उठाने वाले उत्तरदाताओं की संख्या	16
4.2	लोक अदालत, तहसील संभाग तक पहुंच और इसके लाभ	17
4.3	उत्तरदाताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली संचार और बैंकिंग सेवाएं	18
4.4	उपयोग की गई क्रेडिट सुविधाएं, इनकी अवधि और मूल्य और उनके उपयोग के दौरान आने वाली कठिनाई	18
4.5	सड़कों की कनेक्टिविटी	19
4.6	कस्बे में प्रशिक्षण संस्थान की उपलब्धता	19
4.7	सब्जियों, फलों और अनाज की खरीद का स्थान	20
4.8	जन्म स्थान और जन्म प्रमाण पत्र का स्वामित्व	21

4.9	**पूर्वजों का कस्बों में प्रवास**	21
4.10	**परिवार के रहने की स्थिति और रहने का समय**	22
4.11	**दस्तावेजों का स्वामित्व**	22
4.12	**मकान का स्वामित्व और उसका स्थान**	23
4.13	**गांव में स्वामित्व वाली संपत्ति के प्रकार और उनके दस्तावेज**	23
4.14	**गांव का दौरा, उद्देश्य और आवृत्ति**	24
4.15	**गांव के लिए आवागमन**	25
4.16	**मोबाइल और अपडेट**	25
5.1	**चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और कोविड-19 के दौरान स्थानीय प्रशासन की भूमिका**	26
5.2	**जीवन यापन की लागत पर कोविड-19 का प्रभाव**	27
5.3	**कोविड-19 के कारण रोजगार की हानि**	27
5.4	**कोविड-19 के कारण परिवार/दोस्तों/स्वयं का प्रवास**	28
5.5	**कोविड-19 के लिए सरकार से मिला लाभ**	28
5.6	**दोस्त/परिवार/स्वयं कोविड-19 से पीड़ित हैं**	28

प्रस्तावना

किसी गांव, कस्बे या शहर में या उसके आसपास भोजन के रोपण, प्रसंस्करण और वितरण की प्रथा को शहरी कृषि के रूप में जाना जाता है। भारत में, लागत कारकों के कारण आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग आम तौर पर धनी किसानों द्वारा किया जाता है। भले ही इन दृष्टिकोणों का उपयोग कई कस्बों और शहरों में धनी किसानों द्वारा किया जाता हो, नगर पालिकाओं और सरकारी विभागों ने अभी तक इन्हें मान्यता नहीं दी है। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि खाद्य सुरक्षा, रोजगार सृजन और धन सृजन पर इसके प्रभाव पर बहुत कम शोध किया गया है। लाखों भारतीय शिक्षा और कौशल की कमी, लगातार बेरोजगारी और स्थानिक अलगाव से प्रभावित हैं, इन सभी ने उन्हें समाज और अर्थव्यवस्था की परिधि पर ला खड़ा किया है।

किसानों के बीच ज्ञान और रचनात्मक सोच की कमी के कारण कृषि संसाधनों का इष्टतम उपयोग नहीं किया जाता है। वित्तीय प्रबंधन कौशल की कमी के कारण किसान बीज, मशीन, पशुधन और मजदूरों के लिए लिए गए अपने ऋण का भुगतान करने में असमर्थ होते हैं। कभी-कभी ऐसी परिस्थितियाँ उन्हें (विशेषकर छोटे किसान) ऋणग्रस्तता और दिवालियेपन की ओर ले जाती हैं, जो दुर्भाग्य से उनके संकट का कारण बनती हैं।

वर्तमान शोध अध्ययन शहरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जमीनी बाधाओं और अवसरों पर केंद्रित है। बरेली (एम.कॉर्प) वार्ड नंबर 0046, फरीदपुर (एनपीपी) वार्ड नंबर 008, बड़ागांव, और वाराणसी (एम.कॉर्प) वार्ड नंबर 0025 में अच्छी नौकरियां सृजित करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी के उपयोग पर गहन शोध करना और जागरूकता फैलाना जरूरी है।

हमें उम्मीद है कि वर्तमान शोध कृषि के गतिशील और सतत विकास के लिए एक सार्थक रणनीति विकसित करने के प्रयास में सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद होगा।

मैं डॉ. शशि बाला (साथी) और उनकी टीम को इस दिशा में उनके प्रयास के लिए बधाई देता हूं।

(डॉ. अरविंद)
महानिदेशक
वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नौएडा

आभार

इस अध्ययन को आरंभ एवं पूरा करने का अवसर प्रदान करने के लिए मैं डॉ. एच. श्रीनिवास,आई-आरपीएस, श्री अमित निर्मल, आईएसएस, भूतपूर्व महानिदेशक एवं डॉ. अरविंद, महानिदेशक, वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नौएडा के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूँ। मैं इस महत्वपूर्ण अध्ययन को संचालित करने और इसे पूरा करने में समर्थन के लिए वीवीजीएनएलआई टीम का भी आभार व्यक्त करती हूँ।

मैं पूरी परियोजना टीम: सुश्री निमरा खान, डॉ भूमिका बत्रा (रिसर्च एसोसिएट) और सुश्री मंजू सिंह (कंप्यूटर ऑपरेटर) के साथ-साथ डॉ. एम. एम. रहमान एवं श्री बी. एस. रावत (वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी) को इस रिपोर्ट को **मूर्तरूप देने में उनके निरंतर और अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद देती हूँ।**

अंत में, मैं हौसला बढ़ाने वाले अपने परिवार, जिसने हमेशा, खासकर जब मैं अपने काम को कार्यालय समय के इतर भी करती हूँ, मुझे सहयोग किया है, का धन्यवाद करती हूँ। उनके व्यक्तिगत सहयोग मेरे लिए अनमोल खज़ाना हैं।

डॉ. शशि बाला
सीनियर फेलो
वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान

कार्यकारी सारांश

भारत एक ऐसा देश है जहां की अधिकांश आबादी कृषि से संबंधित गतिविधियों में लगी हुई है। कृषि का संकट प्रकृति में बना हुआ है और यह कृषि क्षेत्र में घटते उत्पादन, किसानों के बढ़ते कर्ज, कृषि उत्पादन से कम लाभ और बहुत कुछ में परिलक्षित होता है।

भारतीय कृषि क्षेत्र में मुख्य रूप से छोटे और सीमांत किसान शामिल हैं, इनका इस क्षेत्र में योगदान इतना महत्वपूर्ण और अत्यधिक है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कृषि संकट कोई नई घटना नहीं है, यह कई वर्षों से निरंतर चला आ रहा है और दिन-ब-दिन गहरा होता जा रहा है। इस संकट को डिकोड करने की तात्कालिकता देश के शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को परेशान कर रही है क्योंकि इससे भारी नुकसान हो सकता है। सरकार इन किसानों की मदद करने और कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए हर संभव उपाय खोज रही है। इस संकट को दूर करने एवं इस सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और लंबे समय से चली आ रही इस समस्या को दूर करने में नीति निर्माताओं को मदद करने की गुंजाइश है।

सरकार इन मजदूरों की मदद करने और कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए हर संभव उपाय तलाश रही है। इस संकट को डिकोड करने एवं इस सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और नीति निर्माताओं को लंबे समय से चली आ रही इस समस्या को दूर करने में मदद करने की गुंजाइश है।

इस अध्ययन का उद्देश्य भारत में वर्तमान कृषि संकट की विभिन्न आयामों से जांच करना और इसके अंतर्निहित कारणों को समझना है, ताकि एक रणनीति की अवधारणा की जा सके जो देश में कृषि के गतिशील एवं सतत विकास का समर्थन कर सके। इस अध्ययन का प्रयोजन विशेष रूप से मौजूदा उत्पादन प्रक्रिया, रोजगार के पैटर्न, उत्पादकता के साथ-साथ कृषि में आने वाली हर परिवर्तनकारी और उभरती चुनौती की जांच करना है।

अ. अध्ययन क्षेत्र

यह अध्ययन उत्तर प्रदेश राज्य में किया गया, जहां इसके पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र के जिलों बरेली और वाराणसी को अध्ययन के लिए चुना गया था। शहर के परिप्रेक्ष्य का पता लगाने के लिए ग्राउंड ज़ीरो पर क्षेत्र अन्वेषकों की मदद से प्रश्नावली भरी गई।

ब. उत्तरदाता

चयनित जिलों से कृषि मजदूरों, किसानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, सहित अन्य लोगों से जवाब प्राप्त किए गए।

स. प्रमुख निष्कर्ष

1) 7% से 12% उत्तरदाता 21-30 वर्ष से 41-50 वर्ष के आयु वर्ग के थे।

2) वाराणसी 19.56% और बरेली में 15.03% उत्तरदाता अन्य पिछड़ा वर्ग के थे।

3) 12-14% उत्तरदाताओं ने शिक्षा सरकारी संस्थानों में प्राप्त की।

4) 15-17% उत्तरदाता खेती में कार्यरत थे।

5) अधिकांश उत्तरदाताओं (30-35%) का वेतन 300-400 रुपए था।

6) 50-55% उत्तरदाताओं ने उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाया।

7) 95-98% उत्तरदाताओं ने मोबाइल और बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाया

8) 23.56% उत्तरदाताओं ने कहा कि प्रशासन हमारे समाज को बेहतर सुविधाएं प्रदान करता है।

द. सुझाव

1. शिक्षा के स्तर में सुधार किया जाना चाहिए।
2. कृषि के अनुसंधान एवं विकास में निवेश किया जाना चाहिए।
3. रोजगार सृजन के लिए कृषि क्षेत्र के बोझ को कम करने के लिए कृषि के संबद्ध क्षेत्रों को रोजगार को प्रोत्साहित करना चाहिए
4. कृषि और अन्य संबद्ध गतिविधियों पर प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों की स्थापना की जानी चाहिए और उन्हें प्लेसमेंट के अवसर भी प्रदान करने चाहिए।

ए. नीति सिफारिशें

- नगर के निवासियों की समस्याओं के समाधान में स्थानीय प्रशासन/ग्राम पंचायत को प्राथमिक भूमिका निभानी चाहिए।

अध्याय 1: परिचय

1.1 अवलोकन

जबकि औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की मजबूत विकास दर के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का अनुपात धीरे-धीरे घटकर 15% से कम हो गया है, भारत के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने में इस क्षेत्र का महत्व इस मीट्रिक से कहीं अधिक है। बढ़ती आय के साथ बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने के लिए भारत की खाद्य सुरक्षा अनाज की फसलों के उत्पादन के साथ-साथ फलों, सब्जियों और दूध के उत्पादन में विस्तार पर निर्भर करती है। ऐसा करने के लिए, एक कृषि उद्योग जो उत्पादक, प्रतिस्पर्धी, विविध और टिकाऊ हो, को जल्दी से स्थापित करने आवश्यकता होगी। **(विश्व बैंक, 2012)**

भारत में कृषि विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण मांगों में से एक प्रमुख सुधार और देश के कृषि अनुसंधान और विस्तार बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है भारत में कृषि विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण मांगों में से एक देश के कृषि अनुसंधान और विस्तार बुनियादी ढांचे का प्रमुख सुधार और मजबूती है। भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत कृषि में होती है। हालांकि, उद्योग, आवासीय उपयोग और कृषि के बीच बढ़ती जल प्रतिद्वंद्विता ने नदी बेसिन और बहु-क्षेत्रीय आधार पर पानी की योजना और प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित किया है। जैसे-जैसे शहरी और अन्य जरूरतें बढ़ती हैं, सिंचाई के पानी की कमी होने की संभावना है। **(विश्व बैंक, 2012)**

1.2 साहित्य की समीक्षा

(सार्क, 2020) 2014 के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण एशिया का लगभग आधा कार्यबल कृषि क्षेत्र में कार्यरत है और इसका 42% भूभाग कृषि संचालन के अधीन है। कृषि, ग्रामीण विकास और खाद्य सुरक्षा सार्क के सहयोग के के कुछ क्षेत्र हैं। सार्क के 18वें शिखर सम्मेलन में इस बात पर सहमति हुई थी कि क्षेत्र में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्पादकता बढ़ाने के लिए निवेश बढ़ाया जाना चाहिए, कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना चाहिए, तकनीकी सहयोग की सुविधा और नवीन, उपयुक्त एवं विश्वसनीय प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा, टिकाऊ कृषि के महत्व पर जोर दिया गया।

आईएलओ ने दुनिया भर में श्रम और कृषि गतिविधियों का समर्थन करने के लिए विभिन्न कन्वेंशन को पारित किया है। यह कृषि उपक्रमों में श्रम निरीक्षण की एक प्रणाली को बनाए रखने में सहायता करता है **[श्रम निरीक्षण (कृषि) कन्वेंशन, 1969],** कृषि में श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए नियोक्ता द्वारा प्रावधान सुनिश्चित करता है **(कृषि में सुरक्षा और स्वास्थ्य कन्वेंशन, 2001)** और भारत ने कृषि श्रमिकों के संघ और संयोजन का अधिकार की पुष्टि की **[एसोसिएशन का अधिकार (कृषि) कन्वेंशन, 1921]** ।

कृषि व्यापार को निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी बनाकर बेहतर बनाने के लिए विश्व व्यापार संगठन ने 1995 में कृषि पर एक समझौता किया है, जो सब्सिडी और व्यापार को विकृत करने वाली उच्च व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए कृषि क्षेत्र में सुधार पर केंद्रित है। इस समझौते का समग्र उद्देश्य किसानों की आजीविका में सुधार करना और एक निष्पक्ष व्यापार प्रणाली का निर्माण करना है जिससे दुनिया भर में बाजार पहुंच में वृद्धि होगी।

ब्रिक्स एक रोडमैप विकसित करने के लिए कृषि मंत्रियों की बैठक नामक बैठक आयोजित करता है। कृषि मंत्रियों की बैठक से पहले कृषि विशेषज्ञ कार्य समूह (एईडब्ल्युजी) चर्चा के लिए एजेंडा तैयार करता है।

भारत के वर्तमान कृषि संकट को मिट्टी की उर्वरता में कमी, घटता जल स्तर, लागत में वृद्धि (सभी हरित क्रांति के प्रभाव), किसानों को खराब रिटर्न, और प्रमुख वस्तुओं में अवहनीय आवधिक उछाल और समय-समय पर अतिरिक्त उत्पादन, जो सड़कों पर फेंक दिया जाता है, कई किसानों को बर्बाद कर देता है और सरकार पर भारी बोझ डालता है, के रूप में संक्षेपित किया जा सकता है। (वी. कुमारस्वामी, 2019)। इन सभी कारकों के कारण कृषि क्षेत्र के विकास में गिरावट आई है। कृषि के विकास में कुछ समस्याएं हैं जैसे कि जल आपूर्ति अनिश्चितता, किसानों की उत्पादकता में कमी, छोटे किसानों की प्रधानता, संचालन का निचला स्तर, अनुचित भूमि स्वामित्व, किसानों द्वारा कम व्यावसायिक खेती, क्योंकि उनमें से अधिकांश उत्पादन केवल स्व-उपभोग के लिए करते हैं और बिक्री के उद्देश्य के लिए नहीं, इस प्रकार विशाल अल्परोजगार है (ए. एन. अग्रवाल (1981)। कृषि का संकट किसानों के बीच आत्महत्या के लिए जिम्मेदार है। किसानों में आत्महत्या के कारण हैं - कम पारिश्रमिक, ऋणग्रस्तता, फसल का न होना/नष्ट होना, व्यसन, व्यवहार परिवर्तन, दूसरों के साथ विवाद, स्वास्थ्य देखभाल समस्याएं और परिवार में मृत्यु या आत्महत्या या बीमारी (मिश्रा, 2008)। कृषि को एक लाभदायक उद्यम बनाकर और फसल उत्पादन गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए किसानों को आकर्षित करके कृषि संकट से निपटा जा सकता है। संचार, परिवहन, सिंचाई, अनुसंधान, ग्रामीण बाजार, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और खेत सहित कृषि और इसके संबद्ध क्षेत्रों में नीतिगत निवेश को बढ़ाया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों का एकीकृत विकास लक्ष्य होना चाहिए। कृषि से संबंधित वर्तमान आर्थिक नीतियों में आमूल-चूल परिवर्तन समस्या का समाधान है (अल्बर्ट क्रिस्टोफर धास, 2009)।

1.3 अनुसंधान अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य:

1. कृषि में मौजूदा उत्पादन प्रक्रिया का अध्ययन करना;
2. कृषि में रोजगार पैटर्न और उत्पादकता का अध्ययन करना।

3. कीमत और बाजार तंत्र के प्रभाव का अध्ययन करना। (व्यापार की शर्तें)
4. सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों का अध्ययन करना।
5. कृषि में संसाधन उपयोग प्रक्रिया की जांच करना।

1.4 कार्यप्रणाली

पहले चरण में उत्तर प्रदेश राज्य के भीतर एक विशेष क्षेत्र का चयन शामिल है। इस अध्ययन के लिए पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश का चयन किया गया था, क्योंकि इन क्षेत्रों में गैर-कृषि रोजगार के साथ-साथ कृषि विकास का उच्च स्तर देखा जा रहा है । यह बेहतर सिंचाई सुविधाओं तक पहुंच और नई कृषि प्रौद्योगिकी की शुरूआत का परिणाम है। अध्ययन क्षेत्र के चयन की सुविधा के लिए संकेतक, अर्थात् साक्षरता दर, मुख्य, सीमांत और गैर-श्रमिक, सिंचित क्षेत्र, बिजली की पहुंच, पेयजल के स्रोत का स्थान, बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाने वाले परिवारों और संपत्ति का स्वामित्व वाले परिवार या बिना संपत्ति के परिवार, का चयन किया गया था। विस्तृत शोध के लिए चिन्हित जिलों का विवरण नीचे दिया गया है:

1. पश्चिमी उत्तर प्रदेश-बरेली (संकेतकों में सबसे कम)
2. पूर्वी उत्तर प्रदेश-वारासी (संकेतकों में उच्चतम)

बरेली मंडल उत्तर प्रदेश के पश्चिमी खंड में स्थित एक प्रशासनिक और साथ ही एक भौगोलिक इकाई है। बरेली मंडल में चार जिले बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर शामिल हैं। यह बेंत के फर्नीचर के उत्पादन के केंद्र के रूप में जाना जाता है। बरेली को एक बहुत ही उत्पादक भूमि (तराई) माना जाता है जो गन्ना, चावल, दाल और गेहूं के उत्पादन के लिए बहुत उपयुक्त है। बरेली मंडल ने अध्ययन के लिए चुने गए संकेतकों जैसे साक्षरता दर, मुख्य श्रमिकों का प्रतिशत, और बिजली तक पहुंच, बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाने और संपत्ति के स्वामित्व वाले परिवारों के संदर्भ में बहुत कम आंकड़े दर्ज किए। जबकि यह भी पाया गया है कि बरेली संभाग के जिलों में गैर-श्रमिकों का प्रतिशत बहुत अधिक है।

वाराणसी जिला उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है। वाराणसी जिले में कृषि निर्वाह स्तर पर है और उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें धान, गेहूं, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि हैं। वाराणसी जिले ने अध्ययन के लिए चुने गए संकेतकों जैसे साक्षरता दर, मुख्य का प्रतिशत श्रमिकों, बिजली तक पहुंच और संपत्ति के स्वामित्व वाले परिवारों के संबंध में बहुत अधिक आंकड़े दर्ज किए । इस जिले में सीमांत श्रमिकों का प्रतिशत बहुत कम पाया जाता है।

इसके अलावा, दोनों क्षेत्रों बरेली और वाराणसी में प्रत्येक में दो उप-जिलों को ऊपर के समान संकेतकों का उपयोग करके चुना गया था। दोनों क्षेत्रों में, उप-जिले में से चयनित एक अध्ययन क्षेत्र संकेतकों के बीच उच्च विकास का प्रतिनिधित्व करता है और दूसरा संकेतकों के बीच कम विकास

का प्रतिनिधित्व करता है। बरेली क्षेत्र में, चयनित उप-जिले बरेली और फरीदपुर हैं जबकि वाराणसी क्षेत्र में चयनित उप-जिले पिंडरा और वाराणसी हैं। इस विस्तृत प्रक्रिया के बाद, गहन क्षेत्र स्तरीय अनुसंधान (प्रतिनिधि नमूनों के लिए उच्चतम जनसंख्या के आधार पर) के लिए प्रत्येक उप-जिले से एक गांव का चयन किया गया था।

1.5 प्रतिदर्श आकार

आंकड़े 2011 की जनगणना पर आधारित हैं (तालिका 1.1 देखें)। बरेली क्षेत्र में बरेली वार्ड 46 और फरीदपुर वार्ड 8 को कस्बों के रूप में चुना गया है, जबकि वाराणसी क्षेत्र में बारागॉव और वाराणसी वार्ड 25 को कस्बों के रूप में चुना गया है।

तालिका: 1.1 प्रतिदर्श चयन

उप जिला		जनसंख्या
शहरी (नगर)	बरेली (एम. कॉर्प) वार्ड नं. 0046	40,925
	फरीदपुर (एनपीपी) वार्ड नंबर 008	4,695
	बारागॉव	11,383
	वाराणसी (एम. कॉर्प) वार्ड नं. 0025	28,986

उत्तरदाताओं का विवरण

1.6 डेटा स्रोत

अध्ययन में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरह के डेटा का इस्तेमाल किया गया है और जानकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों से ली गयी है।

चित्र 1.2 : उत्तरदाताओं का विवरण

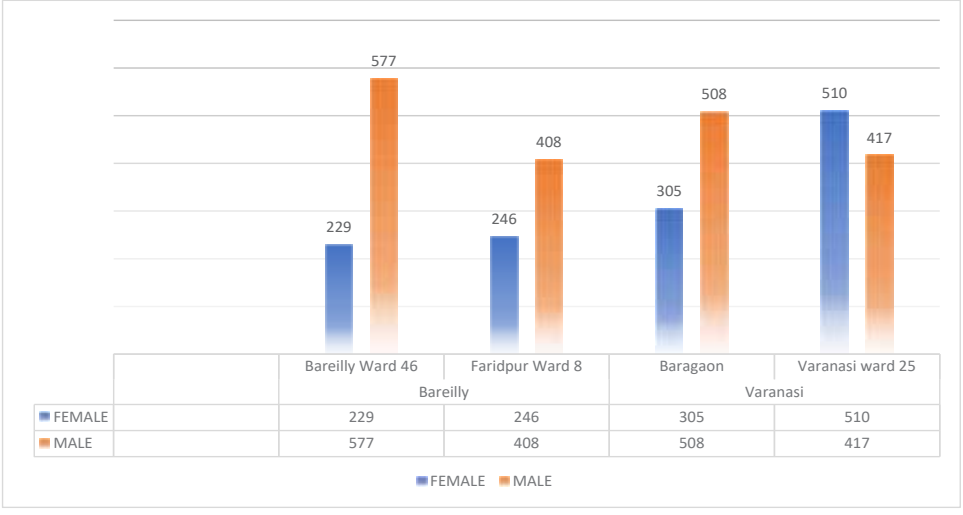

1) प्राथमिक डेटा

प्रस्तावित अध्ययन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए मानक संरचित और असंरचित प्रश्नावली का उपयोग करके क्षेत्र सर्वेक्षण और साक्षात्कार (ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों) के माध्यम से प्राथमिक डेटा एकत्र किया गया था। प्रश्नावली सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के सभी पहलुओं, उनकी पारिवारिक बाधाओं, उनकी भूमि और संपत्ति, जनसांख्यिकीय, शैक्षिक, आय विवरण को पाने में सक्षम थी। साथ ही, जैसा कि अध्ययन कोविड -19 महामारी की अवधि के दौरान किया गया था इसलिए कोविड -19 के बारे में भी जानकारी एकत्र की गई थी।

भौतिक और सामाजिक दूरी का पालन करने के उद्देश्य से डेटा एकत्र करने के लिए एक उपकरण के रूप में गूगल प्रपत्रों का उपयोग किया गया था। यह जानकारी क्षेत्र में नियुक्त श्रम बल जांचकर्ताओं के माध्यम से एकत्र की गई थी। गूगल प्रपत्रों में द्विभाषी संरचित प्रश्नावली सम्मिलित की गई। समय पर डेटा एकत्र करने के लिए टीम को उसे एक्सेस करने की सुविधा प्रदान की गई थी। एकत्र की गई जानकारी को साझा करने और मामलों का समाधान करने के लिए गूगल मीट के माध्यम से नियमित बैठकें आयोजित की गई।

2) द्वितीयक डेटा

प्राथमिक आंकड़ों के अलावा, द्वितीयक आंकड़े 2011 की जनगणना, कृषि जनगणना 2015-16, संबंधित मुद्दों पर पुस्तकों, लेखों और वेबसाइटों से एकत्र किए गए थे।

1.7 डेटा विश्लेषण

अनुसंधान दल ने विभिन्न प्रकृति के दो अलग-अलग प्रश्नावली (अनुलग्नक) की सहायता से फील्ड जांच की प्रक्रिया के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा का मूल्यांकन और जांच करने के लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के संयोजन का उपयोग किया है। विश्लेषण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सॉफ्टवेयर एसपीएसएस (सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकीय पैकेज) और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (वर्ड और एक्सेल) है।

1.8 अध्ययन की सीमाएं

अध्ययन विशिष्ट राज्य और जिलों तक सीमित था। तथापि, भारत के उन जिलों और और राज्यों, जो कृषि में समृद्ध हैं, का भी अध्ययन किया जा सकता है और विभिन्न परिणामों की तुलना की जा सकती है। समय और संसाधन की कमी के कारण केवल 6800 नमूने लिए गए। चूंकि क्षेत्र का काम कोविड-19 अवधि में पूरा किया गया था, हो सकता है कि इससे प्राप्त डेटा पर असर पड़ा हो।

अध्याय 2

जिलों और उत्तरदाताओं का परिचय

वर्तमान अध्याय में उत्तरदाताओं के प्रोफाइल पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें उनका लिंग, परिवार के आश्रित सदस्यों की संख्या, आयु, श्रेणी, शैक्षणिक संस्थानों, जहां उन्होंने शिक्षा ग्रहण की, के प्रकार और जिलों में उनके स्थान शामिल हैं।

आयु वितरण

तालिका 2.1 उत्तरदाताओं के आयु वितरण को दर्शाती है और यह पाया गया कि 21-30 वर्ष आयु वर्ग के उत्तरदाता 15.47%, 31-40 वर्ष आयु वर्ग के 34.34%, 41-50 वर्ष आयु वर्ग के 27.88%, 51-60 वर्ष आयु वर्ग के 14.16% और सबसे कम प्रतिशत यानी 8.16% उत्तरदाता 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग थे।

तालिका 2.1 : उत्तरदाताओं का आयु-वार वितरण

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
आयु	21-30	5.09	0.63	7.00	2.75	15.47
	31-40	12.00	4.78	5.28	12.28	34.34
	41-50	6.66	6.53	4.44	10.25	27.88
	51-60	1.34	5.25	4.03	3.53	14.16
	60 से अधकि	0.09	3.25	4.66	0.16	8.16
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

सामाजिक श्रेणी

तालिका 2.2 उत्तरदाताओं के सामाजिक श्रेणीवार वितरण को दर्शाती है और यह पाया गया कि 20.91% उत्तरदाता सामान्य वर्ग से, 57.00% ओबीसी वर्ग से और 19.81% उत्तरदाता अनुसूचित जाति वर्ग से हैं। उत्तरदाताओं की सबसे कम संख्या यानी 2.28% एसटी वर्ग से संबंधित है।

तालिका 2.2 : उत्तरदाताओं का सामाजिक श्रेणीवार वितरण

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
Category	सामान्य	4.16	2.56	6.75	7.44	20.91
	अन्य पिछड़ा वर्ग	11.84	15.03	10.56	19.56	57.00
	अनुसूचित जाति	9.03	2.81	6.56	1.41	19.81
	अनुसूचित जनजाति	0.16	0.03	1.53	0.56	2.28
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

शैक्षिक प्रोफ़ाइल

तालिका 2.3 उत्तरदाताओं की उच्चतम शैक्षिक योग्यता दर्शाती है और यह पाया गया कि 11.59% उत्तरदाता अशिक्षित थे, 3.94% ने प्राथमिक स्तर, 36.66% ने हाई स्कूल, 26.09% ने उच्च माध्यमिक विद्यालय तक शिक्षा पाई, और 21.72% स्नातक या डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट धारी थे।

तालिका 2.3 : उत्तरदाताओं की उच्चतम शैक्षिक योग्यता

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
उच्चतम शैक्षणिक योग्यता	प्राथमिक स्तर	2.56	0.66	0.41	0.31	3.94
	मैट्रिक / हाई स्कूल	7.78	5.25	9.63	14.00	36.66
	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक	5.50	6.38	7.84	6.38	26.09
	स्नातक/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र	5.97	4.47	5.56	5.72	21.72
	अशिक्षित	3.38	3.69	1.97	2.56	11.59
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

शिक्षण संस्थान

तालिका 2.4 से पता चलता है कि 56.12% उत्तरदाताओं ने सरकारी संस्थानों, 19.50% ने निजी संस्थानों और 24.38% ने सरकारी एवं निजी दोनों तरह के संस्थानों से शिक्षा पाई।

तालिका 2.4 : शैक्षणिक संस्थानों, जहां उत्तरदाताओं ने शिक्षा ग्रहण की, के प्रकार

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
संस्थानों के प्रकार	निजी	5.63	2.53	2.56	8.78	19.50
	सरकारी	12.65	12.84	13.66	16.97	56.12
	दोनों (सरकारी एवं निजी)	6.91	5.07	9.19	3.21	24.38
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

शैक्षिक संस्थानों का स्थान

तालिका 2.5 शैक्षणिक संस्थानों, जहां उत्तरदाताओं ने शिक्षा ग्रहण की, के स्थान को दर्शाती है और यह पाया गया कि 0.14% उत्तरदाताओं ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अन्य राज्य, 1.51% ने अपने गाँव से और 1.50% ने आस-पास के कस्बों से पाई। 4.02% उत्तरदाताओं ने माध्यमिक शिक्षा अन्य राज्य, 10.64% उत्तरदाताओं ने अपने गाँव से और 18.49% उत्तरदाताओं ने आस-पास के कस्बों से पाई। 1.56% उत्तरदाताओं ने उच्च माध्यमिक शिक्षा अन्य राज्य से, 2.78% उत्तरदाताओं ने अपने गाँव से और 16.81% उत्तरदाताओं ने आस-पास के कस्बों से पाई। 1.56% उत्तरदाताओं ने स्नातक/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट की शिक्षा अन्य राज्य से, 0.90% उत्तरदाताओं ने अपने गाँव से और 6.20% उत्तरदाताओं ने आस-पास के कस्बों से पाई।

तालिका 2.5 : शैक्षणिक संस्थानों, जहां उत्तरदाताओं ने शिक्षा ग्रहण की, के प्रकार

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा		कस्बा		
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
प्राथमिक शिक्षा	अन्य राज्य	0.06	0.05	0.01	0.02	0.14
	अपना राज्य	0.51	0.15	0.08	0.05	0.79
	अपना गांव	0.86	0.18	0.26	0.21	1.51
	गांव के पास का कस्बा	1.13	0.28	0.06	0.03	1.50
कुल		**2.56**	**0.66**	**0.41**	**0.31**	**3.94**
माध्यमिक शिक्षा	अन्य राज्य	1.25	1.55	0.38	0.84	4.02
	अपना राज्य	0.97	0.51	1.62	0.41	3.51
	अपना गांव	2.88	1.28	1.97	4.51	10.64
	गांव के पास का कस्बा	2.68	1.91	5.66	8.24	18.49
कुल		**7.78**	**5.25**	**9.63**	**14.00**	**36.66**
उच्च माध्यमिक शिक्षा	अन्य राज्य	0.56	0.48	0.41	0.11	1.56
	अपना राज्य	0.78	1.05	2.03	1.09	4.95
	अपना गांव	1.5	0.38	0.84	0.06	2.78
	गांव के पास का कस्बा	2.66	4.47	4.56	5.12	16.81
कुल		**5.50**	**6.38**	**7.84**	**6.38**	**26.10**
स्नातक/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट	अन्य राज्य	0.56	0.48	0.41	0.11	1.56
	अपना राज्य	0.78	1.05	0.03	1.08	2.94
	अपना गांव	0.00	0.00	0.84	0.06	0.90
	गांव के पास का कस्बा	2.04	2.16	0.69	1.31	6.20
कुल		**3.38**	**3.69**	**1.97**	**2.56**	**11.60**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

अध्याय 3

रोजगार और कृषि

कृषि की प्रकृति ने कृषि में कार्यरत श्रमिकों की संख्या की गणना करने को अधिक कठिन बना दिया है। भारत जैसे देश में, कृषि में पारिवारिक खेती का बोलबाला है जहां परिवार के सदस्य साल भर काम करते हैं। कई किसान और कृषि श्रमिक अंशकालिक गतिविधि के रूप में कृषि करते हैं और उनके पास आय के कमोबेश अन्य महत्वपूर्ण स्रोत हैं। कृषि क्षेत्र को मौसम विशेष में रोजगार शिखर के रूप में जाना जाता है जहाँ अपेक्षाकृत कम अवधि के लिए काफी मात्रा में श्रमिकों को काम पर रखा जाता है **(तंजा, एफ., 2020)**।

रोज़गार की स्थिति

तालिका 3.1 उत्तरदाताओं के रोजगार और कार्यकलाप की स्थिति को दर्शाती है और यह पाया गया कि कुल प्रतिदर्श में से, दोनों जिलों के 70.40% उत्तरदाता कार्यरत हैं।

तालिका 3.1 : उत्तरदाताओं के रोजगार और कार्यकलाप की स्थिति

Employment Status and Activity Status of Respondents		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
रोज़गार की स्थिति	हाँ	17.84	14.28	23.97	14.31	70.40
	नहीं	7.34	6.16	1.44	14.66	29.60
कुल		**25.18**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
कार्यकलाप की स्थिति	काम की तलाश में हैं	0.03	0.09	0.03	0.22	0.37
	न तो काम की तलाश है और न ही काम के लिए उपलब्ध हैं	0.72	0.38	0.22	0.03	1.35
	काम की तलाश में या उपलब्ध/बेरोजगार	6.66	5.81	1.19	2.93	16.59
	स्वनियोजित	6.25	2.78	9.52	5.5	24.05
	कार्यरत / नियोजित	4.18	5.22	13.01	5.63	28.04
कुल		**17.84**	**14.28**	**23.97**	**14.31**	**70.40**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

रोजगार के प्रकार

तालिका 3.2 उत्तरदाताओं के रोजगार के प्रकार को दर्शाती है और यह पाया गया है कि खेती (17.39%) और दुकानदारी (35.67%) में अधिक उत्तरदाता हैं। कुछ उत्तरदाता पशुपालक (0.12%), डेयरी किसान (1.46%), चिकित्सा कर्मचारी (0.16%), पटवारी (0.12%) और लकड़ी की नक्काशी (0.03) थे।

तालिका 3.2 : उत्तरदाताओं के रोजगार का प्रकार

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
रोजगार के प्रकार	पशुपालक	0.03	0.06	0.03	0.00	**0.12**
	निर्माण मजदूर	3.91	0.72	0.84	0.06	**5.53**
	खेतिहर	3.63	2.22	10.88	0.66	**17.39**
	डेयरी किसान	1.03	0.09	0.31	0.03	**1.46**
	चालक	0.47	0.23	0.66	0.16	**1.52**
	उद्यमी	1.38	1.34	1.50	1.72	**5.94**
	फैक्टरी मजदूर	0.31	1.50	0.13	0.13	**2.07**
	चिकित्सा कर्मचारी	0.00	0.03	0.00	0.13	**0.16**
	गैर-कृषि रोजगार	7.59	6.28	1.44	14.69	**30.00**
	पटवारी	0.06	0.03	0	0.03	**0.12**
	दुकानदार	6.78	7.91	9.62	11.36	**35.67**
	लकड़ी पर नक्काशी	0	0.03	0	0	**0.03**
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

रोजगार और मजदूरी

तालिका 3.3 रोजगार की अवधि और उत्तरदाताओं की मजदूरी की स्थिति को दर्शाती है। यह पाया गया कि रोजगार की अवधि 6 महीने से कम, 6-12 महीने और 18 महीने से अधिक होती है। अधिकांश उत्तरदाता 18 महीने से अधिक समय के लिए कार्य पर लगे थे। मजदूरी 100 रुपए से 500 से अधिक थी। 31.68% उत्तरदाताओं को 300-400 रुपये वेतन मिल रहा था और सबसे कम 20.99% उत्तरदाताओं को 200-300 रुपये मिल रहे थे।

तालिका 3.3 : उत्तरदाताओं के रोजगार की अवधि और मजदूरी की स्थिति

		ज़िला				कुल
		बरेली		कस्बा		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
रोजगार की अवधि	6 महीने से कम	5.56	6.25	2.36	3.56	17.73
	6-12 महीने	4.56	5.26	5.44	5.21	20.47
	12-18 महीने	5.66	4.23	3.41	0.75	14.05
	18 महीने से अधिक	9.41	4.70	14.20	19.44	47.75
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
प्रतिदिन अर्जित मजदूरी (रुपए में)	100-200	4.96	5.32	6.50	4.21	20.99
	200-300	6.54	5.32	5.63	2.95	20.44
	300-400	10.07	6.29	10.01	5.31	31.68
	500 से अधकि	3.62	3.51	3.27	16.49	26.89
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

संबद्ध गतिविधियों में रोजगार

तालिका 3.4 कृषि या विभिन्न प्रकार की संबद्ध गतिविधियों में उत्तरदाताओं की संलग्नता को दर्शाती है और यह पाया गया कि 69.03% उत्तरदाता कृषि या संबद्ध गतिविधियों जैसे हस्तशिल्प + बुनाई, कटाई, मवेशियों / जानवरों के प्रबंधन, जुताई, खेती, डेयरी किसानी, और दुकानदारी में लगे हुए थे।

तालिका 3.4 : कृषि की संबद्ध गतिविधियों में संलग्नता

कृषि में संलग्नता और संबद्ध गतिविधियों के प्रकार		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
कृषि या संबद्ध गतिविधियों में संलग्न	हाँ	21.91	9.31	22.28	15.53	69.03
	नहीं	3.28	11.13	3.13	13.43	30.97
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**

गतिविधि के प्रकार	**हस्तशिल्प + बुनाई**	1.5.0	0.13	0.38	0.09	**2.10**
	फसल कटाई, मवेशी/ जानवरों का प्रबंधन, जुताई, खेती, डेयरी किसानी	10.64	1.25	9.53	5.51	**26.93**
	मवेशी/जानवरों का प्रबंधन, डेयरी किसानी	2.21	2.37	5.22	0.34	**10.14**
	दुकानदारी	7.56	5.56	7.15	9.59	**29.86**
कुल		**21.91**	**9.31**	**22.28**	**15.53**	**69.03**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

रोजगार और प्रशिक्षण

तालिका 3.5 कृषि में रोजगार के स्थान, प्रशिक्षण के स्रोत और अवसर के स्रोतों को दर्शाती है और यह पाया गया कि गांवों में 40.02% उत्तरदाताओं की तुलना में शहरों में 59.98% उत्तरदाताओं को रोजगार मिला। 64.88% उत्तरदाताओं ने प्रशिक्षण का स्रोत अखबार में विज्ञापन से, 28.09% उत्तरदाताओं ने रिश्तेदार या मित्र से, और 3.56% उत्तरदाताओं ने अपने संबंधित शिक्षकों से जानकारी प्राप्त होना बताया। अवसर के स्रोत के बारे में 44 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें मौखिक रूप से यह जानकारी मिली, जबकि 36 प्रतिशत उत्तरदाताओं को अखबार में छपे विज्ञापन से पता चला।

तालिका 3.5 : रोजगार का स्थान और कृषि में प्रशिक्षण का स्रोत

		ज़िला				**कुल**
		बरेली		**वाराणसी**		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	**फरीदपुर वार्ड 8**	**बारागॉव**	**वाराणसी वार्ड 25**	
रोजगार का स्थान	शहर	19.83	15.13	8.99	16.03	59.98
	गांव	5.36	5.31	16.42	12.93	40.02
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
प्रशिक्षण के स्रोत	अखबार में विज्ञापन	16.63	14.97	14.75	18.53	64.88
	कॉलेज/संस्थान	0.91	1.22	1.09	0.25	3.47
	शिक्षक	0.59	0.56	1.16	1.25	3.56
	रिश्तेदार या मित्र से	7.06	3.69	8.41	8.93	28.09
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
अवसर के स्रोत	अखबार में विज्ञापन	9.44	11.81	4.13	10.69	36.07
	रिश्तेदार या मित्र से	2.31	0.59	1.91	2.94	7.75
	मौखिक रूप से	12.56	7.38	9.09	15.02	44.05
	कोई अन्य	0.88	0.66	10.28	0.31	12.13
कुल		25.19	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

अध्याय 4

बुनियादी ढांचा और कृषि

ग्रामीण अवसंरचना मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और कृषि विकास को गति देने में मदद करती है। किसानों की बाजारों एवं वित्तीय संस्थानों तक पहुंच और फसल की पैदावार बढ़ाने और इस तरह कृषि विकास को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण बुनियादी ढांचे का सीधा और मजबूत संबंध है। कृषि बुनियादी ढांचा भारत की पारंपरिक कृषि प्रणालियों को वाणिज्यिक, आधुनिक और गतिशील कृषि प्रणालियों में बदल सकता है (अमृत पटेल, 2010)।

कार्यक्रम और लाभ

तालिका 4.1 विभिन्न प्रकार की सरकारी नीतियों और उनके लाभों का लाभ उठाने वाले उत्तरदाताओं की संख्या की संख्या को दर्शाती है और यह पाया गया कि 69.16% उत्तरदाता सरकारी कार्यक्रमों का लाभ उठाते हैं जिनमें से 3.81% उत्तरदाता दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई), आयुष्मान योजना, मनरेगा योजना; 11.64% उत्तरदाता प्रधान मंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना; 32.74% उत्तरदाता उज्ज्वला योजना और 20.97% उत्तरदाता उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, मनरेगा, प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ उठाते हैं।

तालिका 4.1 : सरकारी नीतियां और उनका लाभ उठाने वाले उत्तरदाताओं की संख्या

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
सरकारी नीतियों का लाभ उठाया	हाँ	21.19	12.03	24.28	11.66	69.16
	नहीं	4.00	8.41	1.13	17.30	30.84
	कुल	**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
योजना का प्रकार	दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई), आयुष्मान योजना, मनरेगा योजना	0.19	1.03	2.53	0.06	3.81
	प्रधान मंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना	3.34	4.12	1.09	3.09	11.64
	उज्ज्वला योजना	4.38	3.91	19.87	4.58	32.74
	उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, मनरेगा, प्रधान मंत्री आवास योजना	13.28	2.97	0.79	3.93	20.97
	कुल	**21.19**	**12.03**	**24.28**	**11.66**	**69.16**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

विभिन्न संस्थानों तक पहुंच

तालिका 4.2 में लोक अदालत, तहसील संभागों तक पहुंच और इससे होने वाले लाभों को दर्शाया गया है। यह पाया गया कि 27.64% उत्तरदाताओं की लोक अदालत, 40.88% उत्तरदाताओं की तहसील मंडलों तक पहुँच है और 26.36% उत्तरदाताओं को इससे लाभ मिल रहा है।

तालिका 4.2 : लोक अदालत, तहसील संभाग तक पहुंच और इसके लाभ

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
	हाँ	1.13	6.63	0.94	18.94	27.64
लोक अदालतों तक पहुंच	नहीं	24.06	13.81	24.47	10.02	72.36
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
तहसील संभागों तक पहुंच	हाँ	3.16	8.56	1.22	27.94	40.88
	नहीं	22.03	11.88	24.19	1.02	59.12
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
	हाँ	2.69	2.81	5.63	15.23	26.36
लाभ	नहीं	13.93	10.56	15.36	2.31	42.16
कुल		**16.62**	**13.37**	**20.99**	**17.54**	**68.52**
लाभ का प्रकार	दस्तावेजों में संशोधन	2.69	2.81	5.63	15.23	26.36
कुल		**2.69**	**2.81**	**5.63**	**15.23**	**26.36**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

संचार और वित्तीय संस्थान

तालिका 4.3 उत्तरदाताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली संचार और बैंकिंग सेवाओं को दर्शाती है और यह पाया गया है कि 97.91% उत्तरदाता मोबाइल फोन और 2.10% उत्तरदाताओं इंटरनेट सेवाओं का संचार करने के लिए उपयोग कर रहे थे। 98% उत्तरदाताओं ने बचत खाते (93.56%) और चालू खाते (3.66%) उत्तरदाताओं के लिए बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाया है।

तालिका 4.3 : उत्तरदाताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली संचार और बैंकिंग सेवाएं

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
संचार सेवाएं	मोबाइल फोन	24.31	19.56	25.32	28.71	97.90
	इंटरनेट	0.88	0.88	0.09	0.25	2.10
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाया	हाँ	24.75	19.47	25.22	28.56	98.00
	नहीं	0.44	0.97	0.19	0.40	2.00
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
सेवाओं की प्रकृति	बचत खाता	21.34	19.13	25.03	28.06	93.56
	चालू खाता	2.88	0.28	0.19	0.31	3.66
	दोनों	0.53	0.06	0.00	0.19	0.78
कुल		**24.75**	**19.47**	**25.22**	**28.56**	**98.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

ऋण सुविधाएं

तालिका 4.4 में उपयोग की गई ऋण सुविधाओं, इनकी अवधि एवं मूल्य और उन्हें प्राप्त करने के दौरान आने वाली कठिनाइयों को दर्शाया गया है। यह पाया गया कि 96.28% ने शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय और विवाह उद्देश्यों के लिए ऋण सुविधा का उपयोग किया।

तालिका 4.4 : उपयोग की गई ऋण सुविधाएं, इसकी अवधि एवं मूल्य और उन्हें प्राप्त करने के दौरान आने वाली कठिनाई

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
ऋण सुविधाओं तक पहुँच	**हाँ**	24.94	17.47	24.97	28.91	96.29
	नहीं	0.25	2.97	0.44	0.05	3.71
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.96**	**100.00**
उद्देश्य के प्रकार						
	शिक्षा + स्वास्थ्य + व्यवसाय	1.16	0.31	0.03	1.19	2.69
	शिक्षा + स्वा-स्थ्य + विवाह	3.25	3.59	4.69	4.66	16.19

	शिक्षा + विवाह	11.66	8.00	11.72	11.28	42.66
	विवाह	3.21	1.76	3.06	5.04	13.07
	कोई और	5.66	3.81	5.47	6.74	21.68
कुल		**24.94**	**17.47**	**24.97**	**28.91**	**96.29**
कोई और	कृषि के लिए	3.44	1.06	3.13	3.69	11.32
	निर्माण के लिए	2.22	2.75	2.34	3.05	10.36
कुल		**5.66**	**3.81**	**5.47**	**6.74**	**21.68**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

कनेक्टिविटी

तालिका 4.5 सड़कों की कनेक्टिविटी दर्शाती है और 97.59% उत्तरदाताओं ने बताया कि सड़कों की कनेक्टिविटी है।

तालिका 4.5 : सड़कों की कनेक्टिविटी

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
सड़कों की कनेक्टिविटी	हाँ	24.88	19.06	25.09	28.56	97.59
	नहीं	0.31	1.38	0.31	0.41	2.41
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

प्रशिक्षण संस्थान

तालिका 4.6 कस्बे में प्रशिक्षण संस्थानों की उपलब्धता को दर्शाती है और 96.88% उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके यहाँ प्रशिक्षण संस्थान हैं, जो आईटीआई, पॉलिटेक्निक और महिला प्रशिक्षण संस्थान प्रदान करते हैं।

तालिका 4.6 : कस्बे में प्रशिक्षण संस्थान की उपलब्धता

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
कस्बे में प्रशिक्षण संस्थान है	हाँ	24.97	19.50	23.72	28.69	96.88
	नहीं	0.22	0.94	1.69	0.28	3.13
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

प्रशिक्षण संस्थानों के प्रकार	आईटीआई	12.81	17.28	18.09	27.38	75.52
	पॉलिटैक्निक	5.51	1.28	4.41	0.85	12.03
	महिला प्रशिक्षण संस्थान	6.65	0.94	1.22	0.46	9.33
कुल		**24.97**	**19.50**	**23.72**	**28.69**	**96.88**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

बाजार

तालिका 4.7 सब्जियों, फलों और अनाज की खरीद के स्थान को दर्शाती है। यह पाया गया है कि स्ट्रीट वेंडर, उचित मूल्य की दुकानें और ग्राम मंडियां वे स्थान हैं जहां से उत्तरदाता सब्जियां, फल और अनाज खरीदते हैं।

तालिका 4.7 : सब्जियों, फलों और अनाज की खरीद का स्थान

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा		कस्बा		
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
सब्जियों के लिए खरीद का स्थान	स्ट्रीट वेंडर + उचित मूल्य की दुकानें	5.91	0.38	0.03	0.06	6.38
	स्ट्रीट वेंडर + ग्राम मंडियां	15.28	0.81	0.78	0.31	17.19
	स्ट्रीट वेंडर + ग्राम मंडियां + उचित मूल्य की दुकानें	3.78	16.97	4.66	11.06	36.47
	ग्राम मंडियां + उचित मूल्य की दुकानें	0.22	2.28	19.94	17.53	39.97
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
फलों की खरीद का स्थान	स्ट्रीट वेंडर	16.38	0.91	0.31	0.25	17.84
	स्ट्रीट वेंडर + उचित मूल्य की दुकानें	0.63	0.69	1.06	21.91	24.28
	स्ट्रीट वेंडर + ग्राम मंडियां	7.84	16.41	3.75	5.81	33.81
	ग्राम मंडियां + उचित मूल्य की दुकानें	0.34	2.44	20.28	1.00	24.06
	कुल	25.19	20.44	25.41	28.97	100.00
दलहन अनाज के लिए खरीद का स्थान	उचित मूल्य की दुकानें	0.22	0.09	0.41	26.16	26.88
	स्ट्रीट वेंडर + उचित मूल्य की दुकानें	8.41	8.00	2.25	2.31	20.97
	स्ट्रीट वेंडर + ग्राम मंडियां	4.38	0.06	0.63	0.00	5.06
	स्ट्रीट वेंडर + ग्राम मंडियां + उचित मूल्य की दुकानें	4.16	11.84	2.41	0.00	18.41
	ग्राम मंडियां + उचित मूल्य की दुकानें	8.03	0.44	19.72	0.50	28.69
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

उत्तरदाताओं का जन्मस्थान

जन्म स्थान और जन्म प्रमाण पत्र का स्वामित्व तालिका 4.8 में देखा जा सकता है और यह पाया गया कि 68.41% उत्तरदाताओं का जन्म गाँव में हुआ था, जिनमें से 25.03% के पास जन्म प्रमाण पत्र था।

तालिका 4.8 : जन्मस्थान और जन्म प्रमाण पत्र का स्वामित्व

जन्म स्थान और जन्म प्रमाण पत्र का स्वामित्व		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
जन्म स्थान	कस्बा	2.25	16.97	1.31	11.06	31.59
	गांव	22.94	3.47	24.09	17.91	68.41
	कुल	**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
जन्म प्रमाण पत्र का स्वामित्व	हाँ	4.53	5.69	7.38	7.44	25.03
	नहीं	20.66	14.75	18.03	21.53	74.97
	कुल	**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

प्रवास

तालिका 4.9 से पता चलता है कि 50.06% उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके पूर्वजों ने कस्बों में प्रवास किया है।

तालिका 4.9 : पूर्वजों का कस्बों में प्रवास

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
पूर्वजों का कस्बों में प्रवास	हाँ	15.63	5.97	2.16	26.31	50.06
	नहीं	9.56	14.47	23.25	2.66	49.94
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

कस्बों में रहने की प्रोफ़ाइल

तालिका 4.10 में परिवार के रहन-सहन की स्थिति और रहने की अवधि को दर्शाया गया है। 88.03% उत्तरदाताओं के परिवार कस्बों में, 45.81% उत्तरदाता पास के गाँव में रह रहे थे। 28.75% उत्तरदाता जन्म से, 27.66% दो वर्ष से, और 20.62% उत्तरदाताओं के माता-पिता 10-20 वर्ष से कस्बों में रह रहे हैं।

तालिका 4.10 : परिवार के रहने की स्थिति और रहने का समय

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
शहर में रहने वाला परिवार	हाँ	20.13	15.88	24.66	27.38	88.03
	नहीं	5.06	4.56	0.75	1.59	11.97
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
स्थान	पास के शहर	4.35	2.38	1.06	14.19	21.97
	आस-पास का गांव	11.09	5.87	23.09	5.75	45.81
	अन्य राज्य	4.69	7.63	0.51	7.44	20.25
कुल		**20.13**	**15.88**	**24.66**	**27.38**	**88.03**
शहर में रहने के बाद से	2 साल	10.19	1.84	1.31	14.31	27.66
	2-10 साल	0.16	0.01	0.03	0.01	0.19
	10-20 साल	2.84	6.06	8.25	3.47	20.62
	20 साल से अधिक	0.22	5.38	0.13	5.09	10.81
	जन्म से	6.72	2.59	14.94	4.5	28.75
कुल		**20.13**	**15.88**	**24.66**	**27.38**	**88.03**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

दस्तावेजों का स्वामित्व

तालिका 4.11 से पता चलता है कि 32.31% उत्तरदाताओं के पास आधार कार्ड और वोटर कार्ड हैं, 51.50% उत्तरदाताओं के पास आधार, मतदाता और राशन कार्ड हैं, और 16.19% के पास सिर्फ आधार कार्ड है।

तालिका 4.11 : दस्तावेजों का स्वामित्व

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
दस्तावेजों का स्वामित्व	आधार कार्ड + वोटर कार्ड	3.13	6.91	2.63	19.66	32.31
	आधार कार्ड + वोटर कार्ड + राशन कार्ड	18.56	10.47	20.34	2.13	51.50
	आधार कार्ड	3.50	3.06	2.44	7.19	16.19
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

मकान का स्वामित्व

तालिका 4.12 मकान के स्वामित्व और स्थान को प्रस्तुत करती है। यह पाया गया कि 97.66% उत्तरदाताओं के पास मकान हैं। 60.72% उत्तरदाताओं के घर कस्बों में स्थित हैं और 39.28% उत्तरदाताओं के मकान गांवों में स्थित हैं।

तालिका 4.12 : मकान का स्वामित्व और उसका स्थान

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
मकान का स्वामित्व	हाँ	24.78	18.88	25.31	28.69	97.66
	नहीं	0.41	1.56	0.09	0.28	2.34
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
स्थान	कस्बा	11.28	18.07	1.47	27.56	58.38
	गांव	13.50	0.81	23.84	1.13	39.28
कुल		**24.78**	**18.88**	**25.31**	**28.69**	**97.66**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

संपत्ति का प्रकार

तालिका 4.13 में देखा जा सकता है कि 57.47% उत्तरदाताओं के पास भूमि, मवेशी और वाहन जैसी संपत्ति है।

तालिका 4.13 : गांव में स्वामित्व वाली संपत्ति के प्रकार और उनके दस्तावेज

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
संपत्ति का स्वामित्व	हाँ	23.81	7.00	24.72	1.94	57.47
	नहीं	1.38	13.44	0.69	27.03	42.53
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
संपत्ति का प्रकार	भूमि	5.03	1.28	0.03	0.38	6.72
	भूमि + मवेशी	7.06	0.38	0.69	0.19	8.31
	वाहन + मवेशी	0.25	0.15	0.47	0	0.88
	वाहन + भूमि	3.66	4.31	2.22	0.81	11
	वाहन + भूमि + मवेशी	7.81	0.88	21.31	0.56	30.56
कुल		**23.81**	**7.00**	**24.72**	**1.94**	**57.47**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

यात्राओं की आवृत्ति

गांव, उद्देश्य और आवृत्ति के बारे में यह पाया गया है कि 95.56% उत्तरदाताओं ने व्यवसाय के मुद्दों या छुट्टियों के उद्देश्य से, परिवार और दोस्तों से मिलने के लिए गांव का दौरा किया। 44.22% उत्तरदाताओं ने वर्ष में दो बार दौरा किया और 17.12% उत्तरदाताओं ने वर्ष में एक बार दौरा किया।

तालिका 4.14 : गांव का दौरा, उद्देश्य और आवृत्ति

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
गांव का दौरा किया	हाँ	24.63	18.59	24.78	27.56	95.56
	नहीं	0.56	1.84	0.63	1.41	4.44
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
आने का उद्देश्य	व्यवसाय के संबंध में + छुट्टियों के लिए	0.56	0.65	4.88	1.32	9.91
	व्यवसाय के संबंध में + मित्रों/ परिवार से मिलने के लिए	4.45	1.63	1.58	2.77	7.96
	दोस्तों/परिवार से मिलने के लिए	2.78	1.78	2.78	21.56	28.38
	दोस्तों/परिवार से मिलने के लिए + छुट्टियों के लिए	16.84	14.53	15.54	1.91	49.31
कुल		**24.63**	**18.59**	**24.78**	**27.56**	**95.56**
यात्रा की आवृत्ति	वर्ष में 2 बार से ज्यादा	20.09	11.57	1.94	0.84	34.22
	वर्ष में एक बार	1.32	1.63	3.69	11.53	17.12
	वर्ष में दो बार	3.22	5.39	19.15	15.19	44.22
कुल		**24.63**	**18.59**	**24.78**	**27.56**	**95.56**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

परिवहन के साधन

तालिका 4.15 से पता चलता है कि 30.88% उत्तरदाताओं ने अपने और सार्वजनिक वाहन, दोनों का उपयोग किया, केवल 5.04% उत्तरदाताओं ने निजी वाहनों का उपयोग किया, 3.23% उत्तरदाताओं ने सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया।

तालिका 4.15 : गांव के लिए आवागमन

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
आवागमन के लिए वाहन का प्रकार	खुद का वाहन + सार्वजनिक परिवहन	12.66	12.75	3.16	2.31	30.88
	निजी वाहन	0.09	0.28	0.11	4.56	5.04
	सार्वजनिक परिवाहन	0.31	0.78	0.47	1.67	3.23
	सार्वजनिक परिवहन + निजी वाहन	11.29	3.72	20.28	25.56	60.85
कुल		**24.35**	**17.53**	**24.02**	**34.10**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

मोबाइल फोन का उपयोग करने का उद्देश्य

तालिका 4.16 में मोबाइल और अपडेट को दर्शाया गया है। यह पाया गया कि 10.41% उत्तरदाता सरकारी योजनाओं या किसान क्रेडिट कार्ड जैसे बैंकिंग अपडेट के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं, 47.09% सरकारी योजनाओं की जानकारी को अपडेट करने के लिए इसका उपयोग करते हैं, और 12.56% उत्तरदाता इसका उपयोग कृषि नोडल कार्यालय से कृषि के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं।

तालिका 4.16 : मोबाइल और अपडेट

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
मोबाइल और अपडेट	**बैंकों द्वारा सूचना (बैंक अपडेट/ किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में) + सरकारी योजनाओं की जानकारी (स्थानीय प्रशासन द्वारा)**	10.25	0.06	0.06	0.03	10.41
	सरकारी योजनाओं की जानकारी (स्थानीय प्रशासन द्वारा)	7.09	15.13	3.91	20.97	47.09
	कृषि नोडल कार्यालय द्वारा कृषि संबंधी जानकारी	1.91	4.16	1.97	4.53	12.56
	कृषि नोडल कार्यालय द्वारा कृषि से संबंधित जानकारी + बैंकों द्वारा सूचना (बैंक अपडेट / किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में)	5.94	1.09	19.47	3.44	29.94
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

अध्याय 5

कोविड-19 और कृषि

कोविड-19 की महामारी ने भारतीय कृषि प्रणाली के विकास और प्रबंधन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस अध्याय का उद्देश्य कोविड-19 के लिए चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था, इन कठिन समय में उच्च अधिकारियों द्वारा निभाई गई भूमिका, उत्तरदाताओं के जीवन यापन की लागत पर कोविड-19 के प्रभाव, रोजगार की हानि, इसके कारण प्रवासन और अध्ययन क्षेत्र में हितधारकों से प्राप्त लाभ को समझना है।

कोविड-19 के दौरान प्रदान की गई सुविधाएं

तालिका 5.1 कोविड-19 के दौरान चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और स्थानीय प्रशासन की भूमिका को दर्शाती है। यह पाया गया कि 48.16% उत्तरदाताओं ने गांव में चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता की सूचना दी। कोविड -19 के दौरान प्रशासन की भूमिका के संबंध में 2.13% उत्तरदाताओं ने बताया कि प्रशासन ने अच्छा काम किया और सभी कि मदद की, 0.72% उत्तरदाताओं ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद की, और 23.56% उत्तरदाताओं ने कहा कि प्रशासन ने हमारे समाज को बेहतर सुविधाएं प्रदान कीं।

तालिका 5.1 : चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और कोविड-19 के दौरान स्थानीय प्रशासन की भूमिका

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागाँव	वाराणसी वार्ड 25	
कोविड-19 के लिए गांव में चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता	हाँ	1.50	1.16	17.84	27.66	48.16
	नहीं	23.69	19.28	7.56	1.31	51.84
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**
कोविड-19 के दौरान स्थानीय प्रशासन की भूमिका	कोविड 19 में अच्छा काम किया और सभी की मदद की	2.00	0.06	0.06	0.00	2.13
	सरकारी प्रशासन ने अच्छा काम किया	0.03	0.00	0.00	0.00	0.03
	कोविड 19 में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद की	0.63	0.00	0.06	0.03	0.72
	झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाएं व भोजन वितरण अच्छे रहे	0.03	0.00	0.00	0.09	0.13
	हमारे समाज को बेहतर सुविधाएं प्रदान कीं	1.75	17.91	3.00	0.91	23.56
	स्वच्छता और भोजन वितरण	20.75	2.47	22.28	27.94	73.44
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

कोविड-19 का प्रभाव

तालिका 5.2 जीवन की लागत पर कोविड -19 के प्रभाव को दर्शाती है, 61.91% उत्तरदाताओं ने वस्तुओं की कीमत में वृद्धि + बाजार में वस्तुओं की अनुपलब्धता की सूचना दी, और 31.38% ने बाजार में वस्तुओं की अनुपलब्धता की सूचना दी।

तालिका 5.2 : जीवन यापन की लागत पर कोविड-19 का प्रभाव

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा		कस्बा		
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
जीवन यापन की लागत पर कोविड 19 का प्रभाव	वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि	1.03	0.03	4.47	0.09	5.63
	वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि + बाजार में वस्तुओं की अनुपलब्धता	21.19	18.22	19.69	2.81	61.91
	बाजार में वस्तुओं की अनुपलब्धता	2.91	1.56	1.13	25.78	31.38
	कोई जवाब नहीं	0.06	0.63	0.13	0.28	1.09
कुल		25.19	20.44	25.41	28.97	100.00

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

रोजगार की हानि

तालिका 5.3 में महामारी के दौरान रोजगार की हानि को दर्शाया गया है। यह पाया गया कि 35.59% उत्तरदाताओं ने कोविड-19 के दौरान अपना रोजगार खो दिया।

तालिका 5.3 : कोविड-19 के कारण रोजगार की हानि

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉव	वाराणसी वार्ड 25	
कोविड-19 के कारण रोजगार की हानि	हाँ	13.97	5.28	7.31	9.03	35.59
	नहीं	11.22	15.16	18.09	19.94	64.41
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

कोविड -19 के दौरान प्रवासन

तालिका 5.4 कोविड-19 के कारण परिवार/मित्रों/स्वयं के प्रवास को दर्शाती है। 50.06% उत्तरदाताओं ने प्रवास किया जबकि 49.94% नहीं कर सके।

तालिका 5.4 : कोविड-19 के कारण परिवार/मित्रों/स्वयं का प्रवास

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
कस्बों में प्रवास	हाँ	15.63	5.97	2.16	26.31	50.06
	नहीं	9.56	14.47	23.25	2.66	49.94
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

कोविड-19 के दौरान प्राप्त लाभ

तालिका 5.5 कोविड-19 के दौरान सरकार से प्राप्त लाभों को दर्शाती है। महामारी के दौरान 91.56% उत्तरदाताओं को सरकार से लाभ नहीं मिला।

तालिका 5.5 : कोविड-19 के लिए सरकार से प्राप्त लाभ

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा		कस्बा		
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
कोविड-19 के लिए सरकार से प्राप्त लाभ	हाँ	1.69	0.63	4.84	1.28	8.44
	नहीं	23.50	19.81	20.56	27.69	91.56
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

स्रोत: फील्ड सर्वेक्षण

कोविड-19 से प्रभावित

96.09% उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके मित्र/परिवार/स्वयं कोविड-19 से पीड़ित हुए, जैसा कि तालिका 5.6 में देखा जा सकता है।

तालिका 5.6 : मित्र/परिवार/स्वयं कोविड-19 से पीड़ित हुए

		ज़िला				कुल
		बरेली		वाराणसी		
		कस्बा				
		बरेली वार्ड 46	फरीदपुर वार्ड 8	बारागॉंव	वाराणसी वार्ड 25	
दोस्त/परिवार/स्वयं कोविड-19 से पीड़ित हुए	हाँ	24.94	17.63	24.84	28.69	96.09
	नहीं	0.25	2.81	0.56	0.28	3.91
कुल		**25.19**	**20.44**	**25.41**	**28.97**	**100.00**

अध्याय 6

कालीन हस्त-बुनकर

उत्तर प्रदेश दुनिया के कालीन बुनाई और निर्यात का केंद्र है। इस कला का अभ्यास करने वाले वाराणसी और बरेली में कई शिल्पकार मिल सकते हैं। एक पारंपरिक बरेली कालीन सूती धागे से बना होता है और इसकी कीमत लगभग 300-500 रुपये होती है। बरेली में 5000 से अधिक पुरुष और महिलाएं कालीन बुनाई में लगे हुए हैं, लेकिन बरेली का कालीन उद्योग विलुप्त होने के कगार पर है क्योंकि तैयार उत्पादों के विपणन के लिए संस्थागत तंत्र की अनुपस्थिति के कारण गरीब बुनकर इसे बेचने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। बुनकर अपने परिवार के लिए दो वक्त के भोजन का प्रबंध नहीं कर पा रहे हैं। यह पाया गया है कि 5000 बुनकर अपने परिवार के लिए दो वक्त के भोजन का प्रबंध नहीं कर पा रहे हैं।

कालीन बुनना सबसे कठिन व्यवसायों में से एक है जिसके लिए लंबे समय तक स्थिर काम की आवश्यकता होती है। कालीन हस्त-बुनकरों को त्वचा की सामान्य समस्याएं होती हैं जैसे कि हाइपरकुकाटोटिक नोड्यूल्स (गांठ) और हाथ और उंगलियों में हानिकारक परत (प्लैक)। कालीन बुनाई के लिए गैर-एर्गोनोमिक उपकरणों (चाकू, कंघी, कैंची और अन्य) का उपयोग करने के लिए कलाई और उंगलियों के दोहराव की गति की आवश्यकता होती है जिससे चोट लग जाती है। यह निरंतर आघात इस चोट में एक प्रमुख भूमिका निभाता है जिसे लेखक ने "कार्पेट नोड्यूल्स" (नूरबाला एवं अन्य, 2008) करार दिया है।

कालीन बुनकरों की समस्याओं और कष्टों को समझने के लिए वाराणसी और बरेली में मामला अध्ययन किए गए।

कालीन की बुनाई पुरुष और महिला दोनों श्रमिकों द्वारा की जाती है। श्रमिकों ने बताया कि कालीन बुनने

से होने वाली हानियाँ दीर्घकालिक होती हैं जैसे कि दृष्टि का कमजोर होना, सिरदर्द आदि। नौकरी छोड़ने के बाद भी हानि को महसूस किया जा सकता है।

स्रोत: अभिषेक पांडे (क्षेत्र अन्वेषक)

45 वर्षीय रुस्तम, वाराणसी के कछवा बाजार के एक घर स्थित कारखाने में 20 साल से कालीन बुनकर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्हें और उनके साथी 10-12 बुनकरों को प्रतिदिन 150-200 रुपए मजदूरी का भुगतान किया जाता है। ये मजदूरी रुस्तम के परिवार का भरण पोषण करने के लिए अपर्याप्त है और उसके परिवार का कोई सदस्य बीमार पड़ने पर स्थिति और भी बदतर हो जाती है। उन्होंने उल्लेख किया कि बुनाई का काम इतना थकाऊ है कि इससे उनकी आंखों और हाथों में लगातार दर्द होता है लेकिन कौशल और शिक्षा की कमी के कारण उन्हें यह काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर वह कालीन को डिजाइन करते समय कोई गलती करते हैं, तो उन्हें मुआवजे के रूप में उस दिन के लिए अपनी मजदूरी खोने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

रुस्तम के 35 वर्षीय साथी श्रमिक राम लाल बिंद ने बताया कि एक कालीन बुनने में लगभग 1 महीने का समय लगता है और उन्हें एक सख्त समय सीमा के साथ काम करना पड़ता है क्योंकि समय सीमा से अधिक होने पर उनके वेतन भुगतान में देरी हो सकती है। ये मजदूरी राम के बच्चों के लिए अच्छी स्कूली शिक्षा की गारंटी नहीं देती है। कालीन बुनने के लिए उपयोग किया जाने वाला उपकरण चंद्रमा के आकार का होता है जो उंगलियों को लंबे समय तक पकड़े रहने पर उनमें खिंचाव पैदा करता है।

स्रोत: आशीष कुमार (क्षेत्र अन्वेषक)

49 वर्षीय अजय यादव 2010 से दिल्ली की एक फैक्ट्री में काम करते थे लेकिन कोविड-19 के समय में उनकी नौकरी चली गई और वे बरेली में अपने गृहनगर वापस चले गए, फिर उन्होंने बरेली की एक कालीन फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि उनकी दिल्ली की फैक्ट्री में 2015 की एक दुर्घटना में उनकी 2 उंगलियां चली गई हैं, जिसके कारण उनके लिए कालीन बुनकर के रूप में काम करना मुश्किल है। बुनने से उसके हाथ में खिंचाव आ जाता है लेकिन उसके पास और कोई चारा नहीं होता क्योंकि उसे 6 लोगों के परिवार का भरण-पोषण करना होता है और अपने घर का 3500 रुपए मासिक किराया देना पड़ता है जो कि पिछले 2 महीनों से बकाया है। उन्होंने अपनी बेरोजगारी की अवधि में अपनी सारी बचत खो दी है, लेकिन अब वह अपने दिल्ली के कारखाने में फिर से शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि कालीन बुनाई से उन्हें पर्याप्त मजदूरी नहीं मिलती है और यह एक कठिन काम है।

स्रोत: आलोक कुमार (क्षेत्र अन्वेषक)

संबंधित हितधारकों को बुनकरों को उनके काम में सहयोग करने के लिए धागा और करघा उपलब्ध कराने की पहल करनी चाहिए। यह उन्हें अपने तैयार उत्पादों को दूसरे देशों में निर्यात करने में भी मदद कर सकता है। देश के विभिन्न भागों में व्यापार मेलों में बुनकरों के तैयार उत्पादों के विपणन के लिए संस्थागत तंत्र की आवश्यकता है।

नोट: डेटा की गोपनीयता के लिए उत्तरदाताओं के नाम बदल दिए गए हैं।

अध्याय 7

कृषि संकट: मामला अध्ययन

प्रारंभिक	कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की नींव है। भारत में कृषि का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से शुरू होता है। कृषि उत्पादन के मामले में भारत दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है।
परिचय और पृष्ठभूमि	यह कृषि के क्षेत्र में संकट है जो उत्पादन की कीमत में वृद्धि, किसानों के लाभ में कमी, छोटे और सीमांत किसानों की भूमि पर बलपूर्वक कब्जा करने, बेरोजगारी में वृद्धि और खेतिहर मजदूरों की मजदूरी में कमी और इस क्षेत्र में नगण्य निवेश के रूप में परिलक्षित होता है।
क्रियाविधि	कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का स्तंभ है और भारत की आबादी का रोजगार है। देश के विकास में इस सेक्टर का बहुत बड़ा योगदान है। भारत का कृषि क्षेत्र एक संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है जिसने संकट की स्थिति पैदा कर दी है। इसलिए, समस्या के मूल कारण का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। गहन भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से एकत्र किए गए मामला अध्ययन के माध्यम से इन मामलों को देखने का प्रयास किया गया है। मामले के विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने के लिए उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से मामला अध्ययन एकत्र किए गए।
मामला 1	सार्वजनिक वितरण प्रणाली गरीब वर्गों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने की योजना है। यह वितरण प्रणाली भारत के पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए है। इस मामले में, वाराणसी जिले के बारागॉव कस्बे के सामान्य वर्गों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वे कोविड -19 जैसी आपात स्थिति के समय में मुफ्त वितरण की सेवाओं का उपयोग नहीं कर सकते हैं।
मामला 2	वाराणसी के वार्ड 25 के निवासियों के लिए कोरोना वायरस कई तरह की मुसीबतें लेकर आया था। वाराणसी जैसे विकसित जिले का एक कस्बा होने के बावजूद, मूल निवासियों को कोविड -19 के कठिन समय में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे कि रोजगार का नुकसान, जिसके कारण किराए के भुगतान और घरों के अन्य बकाए का भुगतान करने में असमर्थता के साथ-साथ परिवार का भरण-पोषण करने में भी संघर्ष करना पड़ा। सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राशन वितरित करके इस कठिन समय में सहायता प्रदान करने के लिए हस्तक्षेप किया, लेकिन यह कुछ समय के लिए राहत की बात थी क्योंकि माता-पिता (निजी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के) को अनावश्यक स्कूल फीस का भुगतान करना पड़ा, जबकि सरकारी स्कूलों के छात्रों ने पढ़ाई में पिछड़ने की शिकायत की । इसका कारण स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे बुनियादी ढांचे तक पहुंच की कमी और खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी थी। स्रोत: अभिषेक पांडे (क्षेत्र अन्वेषक)
मामला 3	जब तालाबंदी की घोषणा की गई थी दिल्ली में एक 46 वर्षीय फैक्ट्री कर्मचारी श्याम लाल यादव बेरोजगार हो गए क्योंकि उनके कारखाने के मालिक ने उन्हें काम की कमी के कारण बरेली में अपने पैतृक गाँव वापस जाने की सलाह दी थी। अपने गृहनगर में प्रवास के बाद श्यामलाल के पास न तो कोई नौकरी थी और न पैसा बचा था, लेकिन अपने 5 लोगों के पूरे परिवार परिवार का भरण-पोषण करना था। लॉकडाउन की अवधि के दौरान श्यामलाल ने अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए एनजीओ की मदद से कर्ज लिया। जब तालाबंदी की पाबंदियों में ढील दी गई तो वह गाँव की मंडी में गया और सब्जी ले आया और आजीविका कमाने के लिए कस्बे में सब्जी विक्रेता के रूप में काम करना शुरू कर दिया। कुछ महीनों के बाद उन्हें अपने नियोक्ता का फोन आया और उन्होंने दिल्ली में अपने काम पर वापस जाने की सूचना दी। स्रोत: आलोक कुमार (क्षेत्र अन्वेषक)
परिणाम	उपर्युक्त मामलों से यह देखा गया है कि दशक दर दशक कृषि और मानव जाति के बीच की खाई चौड़ी होती जा रही है, यह भूमि विभाजन और अधिकारों के संबंध में परिवारों में विवाद, शिक्षा एवं रोजगार की तलाश में नई पीढ़ी के शहर में प्रवास और कृषि गतिविधियों की कम लाभप्रदता के कारण होता है।

सारांश और मूल्यांकन	भारत में फैले कोविड-19 के कारण किसानों और गैर-किसानों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे कि रोजगार का नुकसान, खर्चों का भुगतान करने में असमर्थता, गृहनगरों में प्रवास आदि। खेती में बाधाओं का मूल्यांकन बाढ़, जंगली जानवरों और फसलों के बीमा की कमी, ऋण और किसानों की ऋणग्रस्तता के रूप में किया जाता है।
निष्कर्ष	शहरी उत्तरदाताओं के लिए कृषि अब आय का मुख्य स्रोत नहीं है, क्योंकि कृषि गतिविधि की लाभप्रदता, आय, प्रवास और रोजगार की कमी के कारण उन्होंने अन्य व्यवसायों को चुना है।
भविष्य के लिए सिफारिशें	· सार्वजनिक वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी होनी चाहिए, नामांकन और अद्यतन करने में आसान होनी चाहिए और लाभ वर्ग और जाति के निरपेक्ष लाभार्थियों को आसानी से हस्तांतरित किए जाने चाहिए। · बेहतर जोखिम प्रबंधन के लिए फसलों और किसानों की अन्य संपत्तियों के बीमा को प्रोत्साहन दिया जा सकता है। · किसानों को ऋण प्रदान करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए संबंधित कृषि संस्थानों की सिफारिश की जाती है।
समापन टिप्पणी	संबंधित हितधारकों को रोजगार सृजित करना चाहिए और दूसरे कस्बों में आबादी के प्रवास को समाप्त करने के लिए कस्बों में स्कूलों और कॉलेजों का निर्माण करना चाहिए। कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के लिए न केवल कृषि बल्कि गैर-कृषि रोजगार के अवसर भी ग्रामीण क्षेत्रों में पैदा किए जाने चाहिए। किसानों के बीच मिश्रित खेती और अन्य अल्पकालिक आय स्रोतों को पेश किया जाना चाहिए और उन्हें बढ़ावा दिया जाना चाहिए। गांव में कौशल प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जा सकते हैं।

नोट: डेटा की गोपनीयता के लिए उत्तरदाताओं के नाम बदल दिए गए हैं।

अध्याय 8

निष्कर्ष और सिफ़ारिश

- कृषि संकट अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। इसमें कई कारक शामिल हैं जिनके कारण एक आर्थिक गतिविधि के रूप में कृषि अलाभकारी हो गई है कृषि को एक बार फिर से लाभदायक क्षेत्र बनाना जरूरी है। इस संकट को प्रभावी ढंग से समझने के लिए उन कारकों को ठीक से समझना महत्वपूर्ण है जो मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र में इसके विकास के लिए जिम्मेदार हैं।

- अध्ययन में पुरुष उत्तरदाताओं की संख्या महिला उत्तरदाताओं की तुलना में अधिक है। उत्तरदाता उत्तर प्रदेश के चयनित जिलों के कस्बों से हैं। शहर के उत्तरदाता माध्यमिक योग्य हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं का कहना है कि उन्होंने शिक्षा सरकारी संस्थानों से पाई है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि उत्तरदाताओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पास के शहरों और राज्यों से पलायन करना पड़ता है।

- अध्ययन के अधिकांश उत्तरदाता कार्यरत हैं और उनका कार्य स्थायी/मुख्य प्रकृति का है। गैर-कृषि रोजगार की बात करें तो, अधिकांश उत्तरदाता जो इसमें लगे हुए हैं, वे कढ़ाई करने वाले, सब्जियां बेचने वाले, दुकानदारों और अन्य छोटे व्यवसायी के रूप में काम कर रहे हैं। कृषि की संबद्ध गतिविधियाँ भी गाँवों के कई उत्तरदाताओं को आकर्षित करती हैं। औसतन अर्जित मजदूरी 100-200 रुपये से 300-400 रुपये के बीच है।

- यह देखा गया है कि कस्बों में सरकारी कल्याणकारी नीतियों का अधिक लाभ उठाया जाता है। यह कहा जा सकता है कि कस्बों के उत्तरदाता ऐसी नीतियों एवं योजनाओं के बारे में अधिक जागरूक हैं, चूंकि गांव के उत्तरदाताओं की तुलना में उनके लिए इन सुविधाओं तक आसानी से पहुंचना आसान होता है। अध्ययन में सामने आई उभरती चुनौतियों को बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के रूप में देखा जा सकता है और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचा भी उत्तरदाताओं के लिए चिंता का विषय है। उत्तरदाताओं के कस्बों में बैंकिंग सेवाएं बहुत लोकप्रिय हैं लेकिन ऋण सुविधाओं को उतनी लोकप्रियता नहीं मिली है।

- उत्तरदाताओं ने बताया कि बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है जो लगभग हर साल उनकी कृषि उपज को नुकसान पहुंचाती है और आसपास के उद्योग वायु प्रदूषण को जन्म देते हैं जो उनकी फसलों को प्रभावित करता है।

- चूँकि अध्ययन कोविड -19 समय अवधि में हुआ था, उत्तरदाताओं और उनके जीवन पर कोविड -19 के प्रभाव पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है। कोविड -19 से लड़ने के लिए कस्बों में अधिकांश सुविधाएं उपलब्ध थीं। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि उत्तरदाताओं के अनुसार कोविड -19 ने जीवन यापन की लागत में वृद्धि की है। कुछ ने बताया है कि इसके कारण उनका रोजगार छूट गया है और कई इसके कारण अपने गृहनगर चले गए हैं।

सिफारिशें:

यह अनुशंसा की जाती है कि बेरोजगारी तथा प्रवासन की समस्या को कम करने के लिए कस्बों में रोजगार के नए अवसर स्थापित किए जाएं। शिक्षा के लिए पलायन को कम करने और साक्षरता दर बढ़ाने के लिए विशेष रूप से उच्च शिक्षा के लिए शैक्षिक संस्थानों को कस्बों में स्थापित किया जाना चाहिए। कृषि की संबद्ध गतिविधियों और गैर-कृषि रोजगार क्षेत्र से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होनी चाहिए। अधिकारियों और संबंधित हितधारकों को जनता के लिए उपलब्ध कल्याणकारी नीतियों, योजनाओं और कृषि प्रशि_ क्षण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इससे अधिकांश लोग इसका लाभ उठा सकेंगे।

संदर्भ:

- SAARC (2020), South Asia Association for Regional Corporation, "Agriculture and Rural Development", 9 May, URL: http://saarc-sec.org/areas_of_cooperation/area_detail/Agriculture-and-rural-development/click-for-details_4.
- ILO (1969), International Labour Organization, "Labour inspection (Agriculture) convention", 27 January 2020, URL:https://www.ilo.org/dyn/normlex/en/f?p=NORMLEXPUB:12100:0::NO::P12100_INSTRUMENT_ID:312274
- ILO (2001), International Labour Organization, "Safety and Health in Agriculture convention", 28 January 2020, URL:https://www.ilo.org/dyn/normlex/en/f?p=NORMLEXPUB:12100:0::NO::P12100_ILO_CODE:C184.
- ILO (1921), International Labour Organization, "Right of Association (Agriculture) convention, 5 January 2020, URL:https://www.ilo.org/dyn/normlex/en/f?p=NORMLEXPUB:12100:0::NO::P12100_ILO_CODE:C011.
- WTO (1995), World Trade Organization, "Agreement on Agriculture", Wikipedia, 7 January 2020, URL:https://en.wikipedia.org/wiki/Agreement_on_Agriculture.
- DARE (2012), Department of Agriculture Research, "BRICS (Brazil Russia India China and South Africa)", [Online: web] Accessed 17 February 2020,URL:http://dare.nic.in/about-us/international-coopration/multilateral/brics-brazil-russia-india-china-and-south-africa.
- Government of India (2017), Cabinet Approves MOU between India and BRICS countries to set up BRICS Agriculture Research Platform, Press Information Bureau, New Delhi.
- Kumarswamy, V. (2019), "How the agrarian Crisis can be eased", The Hindu.

- Aggarwal, A.N (1981), Indian Agriculture, New Delhi: Vikas publishing house
- Mishra, S. (2008). Risks, farmers' suicides and agrarian crisis in India: Is there a way out? , Indian Journal of Agricultural Economics, 63(902-2016-67948).
- Dhas, Albert Christopher, (2009),Agricultural Crisis in India: The Root Cause and Consequences,MPRA Paper 18930, University Library of Munich, Germany.
- Tanja, F. (2020), "Employment in Agriculture", [Online: web] Accessed 5 December 2020 URL: https://blog.agrivi.com/post/employment-in-Agriculture.
- Patel, A. (2010), "Infrastructure for Agriculture and Rural Development in India. Need for a comprehensive programme and adequate investment", [Online: web] Accused 15 Jan. 2021 URL: https://www.findevgateway.org/paper/2010/09/infrastructure-Agriculture-rural-development-india-need-comprehensive-program.
- Floor daily (2014), "India's Bareilly Carpet Industry on Verge of Extinction", [Online: web] Accessed 1 February 2021 URL: https://www.floordaily.net/flooring-news/indias-bareilly-carpet-industry-on-verge-of-extinction.
- Noorbala, M.T.et al. (2008), "skin lesions in carpet hand-weavers", Dermatology Online Journal, 14(3):5.
- SAC (2020), SAARC Agriculture Centre, "Introduction", 7 May, URL: https://www.sac.org.bd/introduction/.
- World Bank. (2012). India: Issues and priorities for agriculture. World Bank; World Bank Group. https://www.worldbank.org/en/news/feature/2012/05/17/india-agriculture-issues-priorities.

अनुबंध

अनुलग्नक 1

अध्ययन की झलकियां

क्षेत्र अन्वेषकों के साथ एक ऑनलाइन बैठक

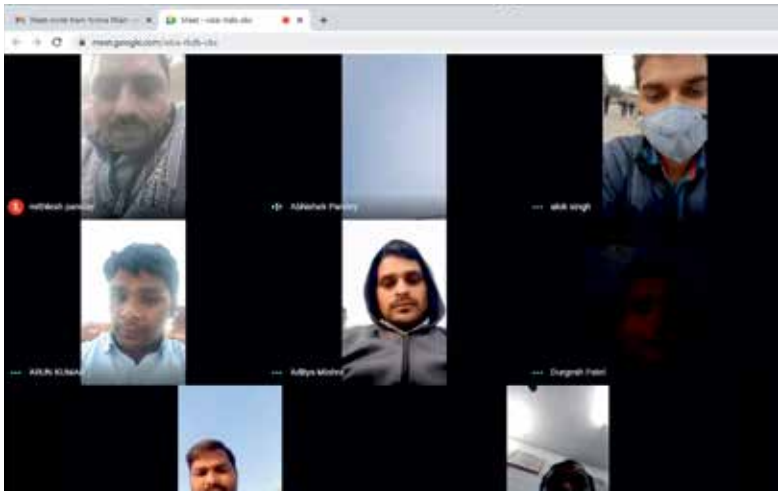

क्षेत्र अन्वेषकों के साथ एक ऑनलाइन बैठक

अनुलग्नक 2

शहरी प्रश्नावली

	Your precious responses are required for this research study. Please tick at appropriate box in the given grid or circle and provide your appropriate response. Some questions may have multiple responses. The data provided will be kept confidential and will be used solely for the purpose of research. इस शोध अध्ययन के लिए आपकी बहुमूल्य प्रतिक्रियाएँ आवश्यक हैं । कृपया दिए गए ग्रिड में उपयुक्त बॉक्स पर टिक करें या उचित प्रतिक्रिया दें। कुछ सवालों के कई जवाब हो सकते हैं। प्रदान किया गया डेटा गोपनीय रखा जाएगा और इसका उपयोग केवल अनुसंधान के उद्देश्य से किया जाएगा। ।	
1.	**Date / दिनांक**	
2.	**Name of the Field Investigator / अन्वेषक का नाम**	
3.	**District / जिला**	East / West **पूर्व / पश्चिम**
4.	**Town / नगर**	
5.	**Name of the Respondent / उत्तर दाता का नाम**	
6.	**Sex / लिंग**	MALE पुरुष / FEMALE स्त्री / TRANSGENDER ट्रान्सजेंडर Any other please specify कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
7.	**Age / आयु**	
8.	**Category / वर्ग**	GENERAL / सामान्य OBC / अन्य पिछड़ा वर्ग SC / अनुसूचित जाति ST / अनुसूचित जनजाति
9.	**What is the highest educational qualifications attained till date? आपकी अब तक की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता क्या है?**	1. Primary level / प्राथमिक स्तर 2. Matric / High School / मैट्रिक / हाईस्कूल 3. Secondary and higher secondary / माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक 4. Graduation /Diploma /Certificate / स्नातक / डिप्लोमा /प्रमाणपत्र 5. Any other please specify कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें

9.1 From which type of institution, you have obtained your qualifications? आपने अपनी शैक्षिक योग्यताएँ किस प्रकार की संस्था से प्राप्त की हैं?	1. Government / सरकारी 2. Private / निजी 3. Deemed / डीम्ड 4. Any Other, please specify/ कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
9.2 From where you have obtained your primary qualifications? आपने अपनी प्राथमिक योग्यता कहाँ से प्राप्त की है?	1. Own village/अपने गाँव से 2. Town near village,/गाँव के पास के कस्बा से 3. Own state, /अपने राज्य से 4. Other state / अन्य राज्य से 5. Any Other, please specify/ कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
9.3 From where you have obtained your Secondary qualifications? आपने माध्यमिक योग्यता कहाँ से प्राप्त की है?	1. Own village, /अपने गाँव से 2. Town near village/गाँव के पास के कस्बा से 3. Own state, / अपने राज्य से 4. Other state,/ अन्य राज्य से 5. Any Other, please specify/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
9.4 From where you have obtained your Higher Secondary qualifications? आपने उच्चतर माध्यमिक योग्यता कहाँ से प्राप्त की है?	1. Own village, अपने गाँव से / 2. Town near village, please specify the place / गाँव के पास के कस्बा से कोई अन्य, कृपया स्थान उल्लिखित करें 3. Own state, please specify the place/ अपने राज्यसे/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें 4. Other state, please specify the place/अन्य राज्य से/ कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें 5. Any Other, please specify /कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
9.5 From where you have obtained your Graduation/Diploma/Certificate qualifications? आपने स्नातक/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट योग्यताएँ कहाँ से प्राप्त की हैं?	1. Own village,/ अपने गाँव से / 2. Town near village, / गाँव के पास के कस्बा से 3. Own state, / अपने राज्य से / 4. Other state,/ अन्य राज्य से 5. Any Other, please specify/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
9.6 Does your Town have training institute? क्या आप के शहर में प्रशिक्षण संस्थान है?	Yes / No हाँ / नहीं

9.7 If Yes, Please select any of the alternative. **यदि हां, कृपया किसी एक विकल्प का चयन करें।**	1. ITI / आईटीआई 2. Polytechnic / पॉलिटेक्निक 3. Women's Training Institute / महिला प्रशिक्षण संस्थान 4. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
10. Are you employed? **क्या आप कहीं कार्यरत हैं ?**	Yes/No हाँ / नहीं
10.8 What is your Activity Status? **आपकी गतिविधि की स्थिति क्या है ?**	1. Working / Employed / कार्यरत / नियुक्त 2. Seeking or Available for work / Unemployed /काम की तलाश में या काम के लिए उपलब्ध / बेरोजगार 3. Neither seeking nor available for work / काम के लिए न तो मांग करना और नही उपलब्ध होना 4. Self Employed / स्व नियोजित रोजगार 5. Any Other, Please Specify /कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
10.9 If yes, what is the type of your employment? **यदि हाँ, तो आप के रोजगार का प्रकार क्या है?**	1. Construction Worker / निर्माणमजदूर 2. Carpenter / बढ़ई 3. Welder / वेल्डर 4. Machine Operator / मशीन ऑपरेटर 5. Driver / चालक 6. Factory Worker / फैक्टरीमजदूर 7. Entrepreneur / व्यवसायी 8. Potter /कुम्हार (मिट्टी के बर्तन बनाने वाला) 9. Weaver / जुलाहा 10. Cattle Rarer / मवेशी चराने वाला 11. Cultivator / कृषक 12. Patwari / पटवारी 13. Mechanic / मैकेनिक 14. Dairy farmer / डेयरीकिसान 15. Shopkeeper / दुकानदार 16. Fisher person/ मछुआरा 17. Metal worker / धातु कर्मी 18. Craft person / शिल्पकार 19. Peddler/ फेरीवाला 20. Black smith / लोहार 21. Handicraft / हस्त कला कर्मी 22. Knitting / बुनकर

	23. Cabinet making / कैबिनेट बनाने वाला 24. Wood carving / लकड़ी पर नक्काशी करने वाला 25. Embroidered / कढ़ाई कर्मी 26. Silk Painting / रेशम का चित्रकार 27. Any other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
10.10What is the duration of your employment? **आप के रोजगार की अवधि क्या है?**	1. Less than 6 months / 6 महीने से कम 2. 6-12 months / 12-6 महीने 3. 12-18 months 18-12 महीने 4. More than 18 months / 18 महीने से अधिक 5. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
11. Who is the head of your household? **आपके घर का मुखिया कौन है ?**	1. Eldest Male member of the family / परिवार का सबसे बड़ा पुरुष सदस्य 2. Eldest Female member of the family / परिवार की सबसे बड़ी महिला सदस्य 3. Any Other, Please specify/ कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
12 How much wages do you receive per day (in INR)? आपको प्रतिदिन कितनी मजदूरी (रुपए में) मिलती है?	1. 0-100 2. 100-200 3. 300-400 4. Any Other, please specify कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
12.1 Where do you work? **आप काम कहाँ करते हैं?**	Village/Town गाँव में/ कस्बे में
12.2 Have you ever worked in Agriculture or allied activities? **क्या आपने कभी कृषि या संबद्ध गतिविधियों में काम किया है?**	Yes/ No हाँ/ नहीं
12.3 If yes, then which one? **यदि हाँ, तो कौन सा?**	1. Harvesting / फ़सल काटना 2. Managing cattle/Animals मवेशी पशु का प्रबंध करना 3. Ploughing / जुताई 4. Dairy farming / डेरी उद्योग 5. Potter / कुम्हार

	6. Weaver / जुलाहा 7. Cattle Rarer / मवेशी चराने वाला 8. Cultivator / खेतिहर 9. Patwari / पटवारी 10. Mechanic / मैकेनिक 11. Dairy farmer / डेयरी किसान 12. Shopkeeper / दुकानदार 13. Fisher person / मछुआरा 14. Metal worker / धातु कर्मी 15. Craft person / शिल्पकार 16. Peddler / फेरीवाला 17. Black smith / लोहार 18. Handicraft / हस्तशिल्प 19. Knitting / बुनाई 20. Cabinet making / कैबिनेट बनाना 21. Wood carving / लकड़ी पर नक्काशी 22. Embroidered / कशीदाकारी 23. Silk Painting / सिल्क पेंटिंग 24. Any other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
12.4 From where did you get opportunity for your current employment? **आपको अपने वर्तमान रोजगार के लिए अवसर कहां से मिला?**	1. Advertisement in Newspaper / समाचार पत्र में विज्ञापन से 2. Word of Mouth / मौखिक तौर पर 3. Through a Relative/Friend / एक रिश्तेदार / मित्र के माध्यम से 4. Any Other, please specify / कोईअन्य, कृपया उल्लिखित करें
12.5 From where did you get training for your current employment? **आपने अपने वर्तमान रोजगार के लिए प्रशिक्षण कहाँ से प्राप्त किया?**	1. Through School/College/Institution / स्कूल / कॉलेज / संस्थान के माध्यम से 2. Through your Employer/अपने नियोक्ता के माध्यम से 3. Through a Relative/Friend /एक रिश्तेदार / मित्र के माध्यम से 4. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
13. From where do you purchase Vegetables? **आप सब्जियाँ कहाँ से खरीदते हैं?**	1. Street Vendors / फेरीवालों से 2. Village Mandis / गाँव की मंडियों से 3. Fair Price shops / उचित मूल्य की दुकानों से 4. Any Other, please specify/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें

13.1. From where do you purchase Fruits? **आप फल कहाँ से खरीदते हैं?**	1. Street Vendors / फेरीवालों से 2. Village Mandis / गाँव की मंडियों से 3. Fair Price shops / उचित मूल्य की दुकानों से 4. Any Other, please specify /कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
14. From where do you purchase Pulses, Grains, etc.? **आप दालें, अनाज आदि कहां से खरीदते हैं?**	1. Street Vendors / फेरीवालों से 2. Village Mandis / गाँव की मंडियों से 3. Fair Price shops / उचित मूल्य की दुकानों से 4. Any Other, please specify/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
15. Where were you born? **आपका जन्म कहां हुआ था?**	Village/Town ग्राम / नगर
15.1 Do you have birth certificate?	Yes / No हाँ / नहीं
16. Have you or your ancestors migrated from village to town? **क्या आपने या आपके पूर्वजों ने गाँव से शहर की ओर पलायन किया है?**	Yes / No हाँ / नहीं
17. Do you own any land in village? **क्या आपके पास गाँव में कोई जमीन है?**	Yes / No हाँ / नहीं
18. Do you live with your family in town? **क्या आप शहर में अपने परिवार के साथ रहते हैं?**	Yes / No हाँ / नहीं
18.1 If no, where do they live? **यदि नहीं, तो वे कहाँ रहते हैं?**	1. Nearby Village /निकटवर्ती गाँव 2. Nearby Town /पास का कस्बा 3. Other State /अन्य राज्य 4. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
19. Since when you are living in town? **आप शहर में कब से रह रहे हैं?**	1. Since Birth 2. Last 10 years 3. Last 20 Years 4. Any Other, please specify
20. Which of the following document you own? **आपके पास निम्नलिखित में से कौन सा दस्तावेज है?**	1. Adhaar Card / आधारकार्ड 2. Voter Card / वोटरकार्ड 3. Ration Card / राशनकार्ड 4. Any Other, please specify / कोईअन्य, कृपया उल्लिखित करें

21. Do you own a house? **क्या आपके पास घर है?**	Yes / No हाँ / नहीं
21.1 Where do you own your house? **आपके पास घर कहाँ है?**	Village/Town ग्राम में / नगरमें
22. Do you own any asset in village? **क्या आपके पास गांव में कोई संपत्ति है?**	Yes / No हाँ / नहीं
22.1 If yes, what are they? **यदि हां, तो वह क्या है ?**	1. Vehicle /वाहन 2. Land /भूमि 3. Cattle / पशु 4. Any Other, please specify/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
22.2 Do you have papers pertaining to your land and assets you claim to own? **क्या आपके पास अपनी जमीन और संपत्ति से संबंधित कागजात हैं?**	Yes / No हाँ / नहीं
23. Have you ever visited a village? **क्या आप कभी गाँव गए हैं?**	Yes / No हाँ / नहीं
23.1 If yes, what was the purpose? **यदि हाँ, तो उद्देश्य क्या था ?**	1. Related to Business / व्यवसाय से संबंधित 2. To visit Friends/Family / दोस्तों / परिवार से मिलने के लिए 3. For Vacations / छुट्टियों में 4. Any Other, please specify/कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
23.2 If yes, how often do you visit? **यदि हाँ, तो आप कितनी बार गाँव आते हैं?**	1. Once a year / साल में एक बार 2. Twice a year / साल में दोबार 3. More than 2 times in a year / एक वर्ष में दो बार से अधिक 4. Any Other, please specify /कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
23.3 How do you commute to the village? **आप गांव कैसे जाते हैं?**	1. Own vehicle / स्वयं का वाहन 2. Public Transport / सार्वजनिक परिवाहन 3. Private Transport / निजी परिवहन 4. Any Other, please specify/ कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें

24. Have you ever used any Government policy? **क्या आपने कभी सरकार की किसी नीति का उपयोग किया है ?**	Yes / No हाँ / नहीं
25.1 If yes, then which one? **यदि हाँ, तो कौन सी ?**	1. Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana (DDU-GKY) / दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल या योजना 2. Ujjawala Yojna/ उज्ज्वला योजना 3. Ayushman Yojana/ आयुष्मान भारत योजना 4. MANREGA /महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 5. Pension Scheme / नेशनल पेंशन स्कीम 6. Prime Minister Awas Yojana/ प्रधानमंत्री आवास योजना 7. National Health Protection Scheme / राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना 8. Any Other, please specify /कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
26. Is road connected to the nearby village? **क्या सड़क पास के गाँव से जुड़ी है?**	Yes / No हाँ / नहीं
27. What Communication services do you use? **आप किन संचार सेवाओं का उपयोग करते हैं?**	1. Mobile Phone / मोबाइल फोन 2. Landline Phone / लैंडलाइन फ़ोन 3. Internet / इंटरनेट 4. Telephone Booth /टेलीफोन बूथ 5. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
28. Do you avail any banking services? **क्या आप किसी बैंकिंग सेवा का लाभ उठाते हैं?**	Yes / No हाँ / नहीं
28.1 If yes, then what is the nature of the services? यदि हाँ, तो किस सेवा का?	1. Savings and Current Account / बचत और चालू खाता 2. Loan or credit / ऋणयासाख 3. Fixed Deposits / सावधि जमा 4. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें

29. Do you access credit facilities? **क्या आप क्रेडिट सुविधाओं का उपयोग करते हैं?**	Yes / No हाँ / नहीं
29.1 If yes, For which purpose? **यदि हाँ, तो कि सप्रयोजन से ?**	1. Education / शिक्षा 2. Health /स्वास्थ्य 3. Business / व्यापार 4. Marriage / विवाह 5. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें	
30. Do you have access to Lok Adalats? **क्या आपके पास लोक अदालतों तक पहुंच है?**	Yes / No हाँ / नहीं
31. Do you have access to Tehsil Divisions? **क्या आपके पास तहसील प्रभागों तक पहुंच है?**	Yes / No हाँ / नहीं
31.1 Are they beneficial? **क्या वे फायदेमंद हैं?**	Yes / No हाँ / नहीं
31.2 If Yes, How? **यदि हाँ, तो कैसे ?**	
32. Have you or any one of your friend/ family suffered from COVID-19? **क्या आप या आपका कोई दोस्त / परिजन COVID -19 से पीड़ित है?**	Yes / No हाँ / नहीं
33. How it impacted the cost of living in your town? **इसने आपके नगर मेंजीवनयापन लागत को कैसे प्रभावित किया ?**	1. Increases in price of commodities / वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि 2. Unavailability of Commodities in the market / बाजार में वस्तुओं की अनुपलब्धता 3. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
34. Were necessary health facilities available in your town for COVID-19? **क्या COVID-19 के लिए आपकेनगर में आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध थीं?**	Yes / No हाँ / नहीं

35. Did you lost your employment because of COVID-19? क्या आपने COVID-19 के कारण अपना रोजगार खो दिया है?	Yes / No हाँ / नहीं
36. Has anyone in your family/Friend migrated due to the spread of COVID-19? क्या आपके किसी परिजन / मित्र ने COVID-19 के प्रसार के कारण पलायन किया है?	Yes / No हाँ / नहीं
37. Did you receive any benefit from Government for COVID-19? क्या आपको COVID-19 के लिए सरकार से कोई लाभ मिला है?	Yes / No हाँ / नहीं कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें
37.1 What role was played by the local administration during this period? इस दौरान स्थानीय प्रशासन ने क्या भूमिका निभाई ?	
38. If you own Mobile, do you receive any updates regarding the following Information: यदि आपके पास मोबाइल है तो क्या आपको निम्नलिखित के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हुई है:	1. Information pertaining to Agriculture by Krishi Nodal Office / कृषि नोडल कार्यालय द्वारा कृषि से संबंधित जानकारी 2. Information by Banks (regarding bank updates /Kisan credit card) / बैंकों द्वारा सूचना (बैंक अपडेट / किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में) 3. Information of Government schemes (by local administration) / सरकारी योजनाओं की जानकारी (स्थानीय प्रशासन द्वारा) 4. Any Other, please specify / कोई अन्य, कृपया उल्लिखित करें

MAKE IN INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान श्रम एवं इससे संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान, प्रशिक्षण, शिक्षा, प्रकाशन और परामर्श का अग्रणी संस्थान है। इस संस्थान की स्थापना 1974 में की गई थी और यह श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है। यह संस्थान विकास की कार्यसूची में श्रम और श्रम संबंधों को निम्नलिखित के द्वारा मुख्य स्थान देने के लिए समर्पित है:

- वैश्विक स्तर के अनुसंधानिक अध्ययनों और प्रशिक्षण हस्तक्षेपों को हाथ में लेना;
- कार्य की दुनिया में रूपांतरण के मुद्दे पर कार्रवाई करना;
- श्रम तथा रोजगार से संबंधित मुख्य सामाजिक भागीदारों तथा पणधारियों के बीच कौशल तथा अभिवृत्ति और ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना;
- विश्व प्रसिद्ध संस्थानों के साथ समझ निर्माण तथा सहभागिता विकसित करना।

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान V.V. Giri National Labour Institute
श्रमेव जयते

वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान
सैक्टर 24, नौएडा–201 301, उत्तर प्रदेश (भारत)
वेबसाइट : www.vvgnli.gov.in